R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 109
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 27 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

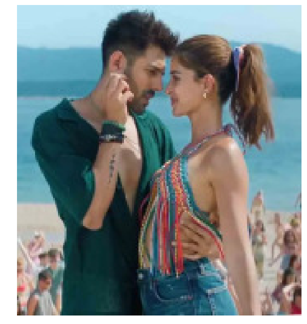

3 कालीकांत जैसे विलेन का अंत होना ही था : आर्य
5 आबकारी विभाग की टीम ने ईंट भट्ठों पर दी ...
7 'धुरंधर' के सामने टिकी रही आर्यन और ...

वीर बाल दिवस पर बोले प्रधानमंत्री मोदी, साहिबजादों ने धार्मिक कट्टरता-आतंकवाद को जड़ से मिटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए, क्रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े होकर धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंकने के उनके साहस और वीरता की सराहना की। वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों ने, जिन्हें बहुत कम उम्र मंट मुगल साम्राज्य का सामना करना पड़ा, अत्याचार के विरुद्ध अपने संघर्ष में सभी परिस्थितियों को तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज राष्ट्र वीर बाल दिवस मना रहा है। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद करते हैं जो भारत का गौरव हैं। वे भारत के अदम्य साहस, वीरता और साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और परिस्थितियों की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े रहे और धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंका। ऐसे गौरवशाली अतीत वाला राष्ट्र कुछ भी हासिल कर सकता है।

26 दिसंबर, 1704 को, गुरु

गोविंद सिंह जी के छोटे पुत्रों, साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वज़ीर खान के आदेश पर, सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में इस्लाम धर्म अपनाने का विरोध करने के कारण, जिंदा ईंटों में चुनवा दिया गया था। उनके दो बड़े पुत्रों, साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ते हुए शहादत प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस गहरी भावना और श्रद्धा का दिन है। साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को बहुत कम उम्र में ही अपने समय की सबसे शक्तिशाली सत्ता का सामना करना पड़ा था। वह लड़ाई भारत के मूलभूत आदर्शों और धार्मिक कट्टरता के बीच थी। यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी। उन्होंने आगे कहा कि उस युद्ध के एक तरफ दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी थे, और दूसरी तरफ औरंगजेब का क्रूर शासन था। हमारे साहिबजादे उस समय युवा थे, लेकिन औरंगजेब और उसकी क्रूरता उनकी उम्र को नहीं समझती थी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि औरंगजेब की क्रूरता के बावजूद, उसके सेनापति उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं डिगा सके।

वीर बाल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को मुगलों के विरुद्ध खड़े होने के वीर साहिबजादों के उद्देश्य की याद दिलाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लेकिन औरंगजेब और उसके सैन्य कमांडर यह भूल गए थे कि हमारे गुरु कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे तपस्या और त्याग की साक्षात मूर्ति थे। वीर साहिबजादों को उनसे यह विरासत मिली थी, इसलिए भले ही पूरा मुगल साम्राज्य उनके विरुद्ध खड़ा था, वे उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं हिला सके। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस मनाने की उनकी पहल ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच तैयार किया है।

टीएमसी की 2026 की तैयारी अभिषेक बनर्जी ने पेश की 'विजय योजना' 2 जनवरी से शुरू करेंगे जमीनी दौरा

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने संगठन की नींव को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। कोलकाता में पार्टी की विशाल संगठनात्मक बैठक में, उन्होंने 5, 000 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामने तृणमूल की रणनीति और 'विजय योजना' प्रस्तुत की। अभिषेक बनर्जी 2 जनवरी को बारुईपुर, 3 जनवरी को

जलपाईगुड़ी, 4 जनवरी को बीरभूम, 5 जनवरी को बिष्णुपुर, 7 जनवरी को इटाहार, 8 जनवरी को मालदा, 13 जनवरी को कूच बिहार और 15 जनवरी को कांथी जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल के आसपास होंगे। इसलिए तृणमूल कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दी है।

2021 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 294 सीटों में से 215 सीटें जीती थीं। सांसद अभिषेक ने निर्देश दिया है कि इस बार लक्ष्य उस परिणाम को पार करना और जीत के अंतर को और बढ़ाना है। अभिषेक का भाषण मुख्य रूप से तीन मुद्दों पर केंद्रित था - पहला, मतदाता सूची में संशोधन करना, दूसरा, भाजपा का राजनीतिक रूप से सामना करना, और तीसरा, उन्होंने लोगों का विश्वास बनाए रखने के तरीके बताए।ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को क्रिसमस पर ईसाइयों के खिलाफ लक्षित हमलों की घटनाओं के बाद दक्षिणपंथी उग्रवाद में वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को घेरा। गुजरात दंगों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने एक पोस्ट में यह बात कही। बनर्जी ने दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों का मुद्दा उठाया और केंद्र पर भारत के माहौल को जानबूझकर दूषित करने का आरोप लगाया।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भारत के माहौल को जानबूझकर दूषित किया जा रहा है। सत्ता के नशे में चूर दक्षिणपंथी ताकतें धर्म की आड़ में दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों पर खुलेआम हमले कर रही हैं - डर, लिंचिंग, धमकियों और नफरत के जरिए। उन्होंने आगे कहा कि जब सत्ता में बैठे लोग ही हिंसा के अपराधी हों और हिंसा के संरक्षकों को पुरस्कृत करें, तो दंडमुक्ति नीति बन जाती है। यह शासन नहीं, बल्कि नैतिक पतन है।

बनर्जी ने यह भी कहा कि ये हमले असंवैधानिक, अवैध हैं और देश की धर्मनिरपेक्ष नींव को चटका देते हैं। ये हमले असंवैधानिक, अवैध हैं और भारत की नींव - हमारी विविधता में एकता - को चकनाचूर कर देते हैं। आज चुप्पी साधना मिलीभगत है। इतिहास इसे माफ नहीं करेगा। इस बीच, असम में पुलिस ने क्रिसमस समारोह से पहले सेंट मैरी इंग्लिश स्कूल की संपत्ति में तोड़फोड़ करने के आरोप में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

राजस्थान के स्कूलों में पढ़ाई जाएगी साहिबजादों के बलिदान की गौरव गाथा : मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'वीर बाल दिवस' पर कहा कि गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान की गौरव गाथा प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई जाएगी। शर्मा वीर बाल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों का बलिदान राष्ट्रप्रेम, धर्मरक्षा और मानव मूल्यों की अमर मिसाल है।

उन्होंने विशेष रूप से छोटे साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत को स्मरण करते हुए बताया कि किस प्रकार अल्पायु में भी उन्होंने अत्याचार के आगे झुकने से इनकार कर अपने धर्म और मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि माता गुजरी जी के त्याग और साहस को भी प्रदर्शनी के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

पार्टी के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने यह घोषणा भी की कि साहिबजादों के बलिदान की गौरव गाथा को प्राथमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ी को उनके बलिदान, इतिहास और गौरव गाथाओं से परिचित कराया जा सके। यह प्रदर्शनी सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान, त्याग और शहादत को समर्पित थी।

प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री शर्मा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने किया। इस अवसर पर राठौड़ ने अपने संबोधन में हिंदू-सिख एकता पर बल देते हुए कहा कि दोनों धर्मों का मूल स्वरूप, मूल्य और राष्ट्रप्रेम की भावना समान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब समाज धर्म या मजहब के आधार पर विभाजित होता है, तो राष्ट्र को गंभीर क्षति उठानी पड़ती है।

उन्होंने विदेशी उदाहरणों विशेषकर बांग्लादेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक समरसता की आवश्यकता पर जोर दिया। राठौड़ ने कहा कि साहिबजादों की शहादत युवा पीढ़ी को यह संदेश देती है कि राष्ट्रसेवा और धर्मरक्षा उम्र की मोहताज नहीं होती।

नायडू का दावा, भारत की सभ्यतागत शक्ति और युवा बल बनेगा विश्वगुरु आरएसएस के प्रयासों की सराहना

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सभ्यतागत शक्ति, ज्ञान की परंपराएं और युवा जनसांख्यिकीय लाभ देश को विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंचाएंगे और इसे एक वैश्विक महाशक्ति बनाएंगे। तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नायडू ने सम्मेलन को भारत और भारतीयता की अवधारणा पर विचार-विमर्श करने के लिए एक उपयुक्त मंच बताया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक स्रोत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय विकास में योगदान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत समाज में मूल्यों, नैतिकता और नैतिक आधार को मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं और भारत की मजबूत पारिवारिक व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं जो सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है। नायडू ने भगवत के जनसंख्या वृद्धि के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र की आबादी की चुनौती का सामना कर रहे कई देशों के विपरीत, भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति एक प्रमुख संपत्ति बन गई है। अतुलनीय युवा शक्ति के साथ, भारत में विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने भारत की प्राचीन वैज्ञानिक और बौद्धिक विरासत का हवाला देते हुए कहा कि देश प्राचीन काल से ही ज्ञान का महाशक्तिस्थल रहा है। नायडू ने उन्नत शहरी नियोजन के प्रारंभिक प्रमाण के रूप में हड़प्पा सभ्यता का उल्लेख किया और बताया कि योग का अभ्यास भारत में लगभग 2, 900 वर्ष पूर्व से होता आ रहा है और अब 150 से अधिक देशों में इसका पालन किया जाता है।

ऑन ड्यूटी इंस्पेक्टर ने पहले टोपी उतारी फिर जूते उतारे और फिर बाबा बागेश्वर के छुए पैर, वीडियो ने मचाया तूफान

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक हैरान और स्तब्ध करने वाला मामला सामने आया है। इस नजारे के सामने आने के बाद सियासत और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

दरअसल राजधानी रायपुर पहुंचे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री को ऑन ड्यूटी एक पुलिसकर्मी सैल्यूट करते और जूते उतारकर उनके पैर छूता हुआ दिखाई दिया। पुलिसकर्मी के पैर छूने का ये वीडियो जमकर वायरल हो गया और इस पर सवाल भी उठने लगे। पुलिस इंस्पेक्टर का जूते उतारकर, सैल्यूट करने के बाद बाबा बागेश्वर धाम के पैर छुए। ये वीडियो रायपुर के माना स्थित एयरपोर्ट का है। जानकारी के मुताबिक दुर्ग के भिलाईनगर में होने वाली 5 दिवसीय कथा के लिए बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री यहां पहुंचे हैं।

वे छत्तीसगढ़ सरकार के राजकीय विमान से कौशल विकास मंत्री के साथ रायपुर पहुंचे थे।

माना एयरपोर्ट पर धीरेंद्र शास्त्री के अनुयायी भी वहां पहुंचे थे और उनका स्वागत किया। इसी दौरान ठाकुर मनीष तिवारी ने भी बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर का स्वागत करते हुए पहले अपनी टोपी उतारी फिर जूते उतारे और बाबा धीरेंद्र का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। ये वीडियो एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर का है।

दरअसल हनुमंत कथा का आयोजन स्टेडियम के समीप मैदान में किया गया है। कथा का आयोजन 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक किया जायेगा। पंडित धीरेंद्र शास्त्री आयोजन में शामिल होने चार्टर प्लेन से माना के स्टेट हैंगर पहुंचे थे।

लिहाजा ऑन ड्यूटी वर्दी में पैर छूते इंस्पेक्टर का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। पुलिसकर्मी के इस व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या ऑन ड्यूटी किसी पुलिसकर्मी को इस तरह करना चाहिए।

उन्नाव बलात्कार मामला कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल

महिलाएं बोलीं- यह अन्याय है, न्याय चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर शुक्रवार को लोगों ने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अदालत परिसर के पास जमा हुए और जमानत आदेश के विरोध में नारे लगाते हुए अपनी आवाज उठाई। ये विरोध प्रदर्शन उन्नाव बलात्कार पीड़िता और उसके परिवार द्वारा सेंगर की जेल की सजा को निलंबित किए जाने पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं के बीच हो रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों, जिनमें से अधिकांश महिलाएं थीं, ने बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर सेंगर की सजा निलंबित करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए नारे लगाए। पुलिस कर्मियों को भारी संख्या में तैनात किया गया था और प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया गया था क्योंकि इलाके में कानून के तहत प्रतिबंध लागू थे। सभा को संबोधित करते हुए महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन उनके द्वारा वर्णित घोर अन्याय के खिलाफ एक शांतिपूर्ण अपील है।

उन्होंने कहा कि आज हम उच्च न्यायालय में शांतिपूर्वक अपील करने आए हैं कि हमारी बेटी के साथ हुए अन्याय को रद्द किया जाए और हमारी याचिका पर सुनवाई की जाए। अगर हमें न्याय नहीं मिला, तो हम विरोध करेंगे और यह हमारा अधिकार है। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने भी इस आदेश की आलोचना करते हुए इसे एक खतरनाक मिसाल बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक बड़ा झटका है। जिस तरह से उच्च न्यायालय ने एक तकनीकी खामी के आधार पर सेंगर को छूट दी है, उससे न केवल पीड़ित परिवार बल्कि पूरे देश की महिलाओं का विश्वास हिल जाएगा।' पीड़िता की मां ने भावुक होकर जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया और सुप्रीम कोर्ट जाने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'उनकी जमानत याचिका खारिज होनी चाहिए। हम सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हमें हाई कोर्ट पर से भरोसा उठ गया है। अगर हमें वहां न्याय नहीं मिला, तो हम दूसरे देश चले जाएंगे।' उन्होंने अपने पति की हिरासत में हुई मौत के मामले में कड़ी सजा की भी मांग की।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की लिंचिंग जारी, भारत-विरोधी सोच को मिल रहा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश धीरे-धीरे भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बनता जा रहा है और इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस सांसद ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों की निंदा करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर लोगों को निशाना बनाना और उन पर अत्याचार करना बेहद गलत है।

मसूद ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति निश्चित रूप से चिंताजनक है। बांग्लादेश भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बनता जा रहा है। हमें प्रभावी कदम उठाने चाहिए... बांग्लादेश में लोगों को धर्म के नाम पर निशाना बनाया जा रहा है और उन पर अत्याचार किया जा रहा है, जो बहुत बुरा है। इससे पहले, विदेश मामलों के पूर्व राज्य मंत्री एमजे अकबर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर देश में अल्पसंख्यकों पर हो रही लगातार लिंचिंग और हमलों के बीच चरमपंथी ताकतों को खुश करने हिंदुओं के प्रति नफरत को एक विचारधारा के रूप में बढ़ावा देने का आरोप लगाया था।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की हाल ही में हुई लिंचिंग की घटनाओं पर एएनआई से बात करते हुए अकबर ने कहा कि बांग्लादेश 'तुष्टिकरण के एक गंभीर संकट' का सामना कर रहा है, जहां सत्ता में मौजूद सबसे चरमपंथी ताकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली मौजूदा अंतरिम सरकार की व्यापक शासन विफलता पर प्रकाश डाला और आरोप लगाया कि सत्ता प्रतिष्ठान अपनी राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इन तत्वों को पनाह दे रहा है, जिसके चलते ऐसे अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है।

पूर्व राज्य मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश तुष्टिकरण के एक गंभीर संकट से गुजर रहा है। देश की सबसे क्रूर ताकतों को तुष्टिकरण दिया जा रहा है। ऐसे लोग जो हिंदुओं से नफरत को एक विचारधारा मानते हैं। वे यह नहीं समझते कि नफरत कोई विचारधारा नहीं है। लेकिन उनके अपराध को इस तथ्य से बढ़ावा मिल रहा है कि वहां का सत्ता प्रतिष्ठान इसे पनपने दे रहा है। देश के सामने आने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक यह है कि मौजूदा अंतरिम सरकार में शासन की बिल्कुल भी समझ नहीं है। ये बयान बांग्लादेश में दो हिंदू युवकों की लिंचिंग की घटनाओं के सामने आने के बाद आए हैं।

बुधवार को डेली स्टार ने खबर दी कि राजबारी के पांग्शा उप-जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और शव जलाने की घटना के कुछ दिनों बाद हुई है।

18 दिसंबर को एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को फांसी पर लटकाकर आग लगा दी। डेली स्टार ने मयमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से बताया कि कारखाने के एक अधिकारी ने भालुका पुलिस को सूचित किया था कि श्रमिकों के एक समूह ने दीपू पर कारखाने के अंदर हमला किया और उस पर फेसबुक पोस्ट में 'पैगंबर हजरत मुहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी' करने का आरोप लगाया।

भारत को सिर्फ महाशक्ति नहीं, 'विश्व गुरु' बनने का समय आया : मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और भारत को अंधविश्वासों से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए भगवत ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोग पुराने अंधविश्वासों से बाहर निकलें, और यह बात उन लोगों पर भी लागू होती है जो नए अंधविश्वासों में फंसे हुए हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ऐसी है कि वे अनेक आपदाओं से बचे रहे हैं। हम पिछले दस हजार वर्षों से पारंपरिक तरीकों से खेती करते आ रहे हैं और मिट्टी आज भी वैसी ही बनी हुई है। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, पंजाब से जयपुर तक 'कैंसर ट्रेन' चल रही है। भारत का विकास होना तय है क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सभी तक पहुंचे। अपनी मातृभाषा में सीखना बहुत प्रभावशाली होता है। विज्ञान का ज्ञान भारत की विभिन्न भाषाओं में आम आदमी तक पहुंचाया जाना चाहिए।' आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की विकास संबंधी प्रशंसा करते हुए भागवत ने यह भी कहा, 'मुख्यमंत्री (एन चंद्रबाबू नायडू) ने जो कहा है वह महत्वपूर्ण है, विकास ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे समाज में दो अलग-अलग वर्ग बन जाएं।'

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के विरोध में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के विरोध में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला फूंककर बांग्लादेश और भारत सरकार को चेताया कि यदि हिंदुओं पर अत्याचार के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो देश का हिंदू बांग्लादेश की सीमा में घुसकर बांग्लादेश की ईंट से ईंट बजा देगा, जिसकी जिम्मेदार बांग्लादेश सरकार होगी।

ज्ञात हो कि मंझनपुर मुख्यालय में डायट मैदान से जिला पंचायत चौराहे तक जुलूस निकालकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के हजारों कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, इस दौरान विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ताओं न बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओ में हनुमान चालीसा का पाठ किया और हाथों में तख्तियां लिए हुए बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विश्व हिंदू परिषद के प्रांत धर्म यात्रा प्रमुख काशी प्रांत अजय पांडे ने कहा कि देश एक एक एक हिंदू बांग्लादेश के हिन्दुओं के समर्थन में है और प्रधानमंत्री से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कड़ा कदम उठाए जाने का अपील की, उन्होंने कहा कि यदि भारत के प्रधानमंत्री बांग्लादेश के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं करते है तो देश एक हिंदू बांग्लादेश की सीमा में घुसकर बांग्लादेश की ईंट से ईंट बजा देगा, जिसकी जिम्मेदार बांग्लादेश सरकार और भारत की सरकार होगी।

इस दौरान प्रांत धर्म यात्रा प्रमुख काशी प्रांत अजय पांडे, जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी, जिला मंत्री एवं कार्यक्र संयोजक, राजेंद्र पाल, विहिप जिला सह मंत्री विवेक जायसवाल, जिला गोरखा प्रमुख बजरंग दल रूपेंद्र विश्वकर्मा, धीरेन्द्र सिंह जिला संयोजक बजरंग दल, सानू कुशवाहा, राधा मौर्या जिला मार्ग शक्ति प्रमुख, प्रिया जिला संयोजक दुर्गा वाहिनी, सुनील केसरवानी नगर अध्यक्ष भरवारी, शिखर मिश्रा जिला सह संयोजक बजरंग दल, रजत, शनि साहू, मनीष सोनकर सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साहिबजादों का बलिदान, आने वाली पीढ़ियों को देश, धर्म और मानवता के लिए समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा-कल्पना सोनकर

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर उदयन सभागार में आयोजित भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

ज्ञात हो कि अध्यक्ष जिला पंचायत, सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग एवं मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों-गुनगुन, छाया पाल, श्रद्धा शुक्ला, अजय कुमार, रेशमा, विष्णु गुप्ता, तेज नारायण मिश्रा, मानवी यादव, जानवी यादव, वैष्णवी त्रिपाठी, प्राची यादव, शिखा वर्मा, नीलू कुशवाहा, मधु दुबे, रेशमा, रुद्र नारायण, आकाश, कनिका, रोशनी, अनुराग कुमार, गोलू कुमार, शिवानी श्वेता, माही, अर्चना व निशा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

अध्यक्ष जिला पंचायत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस साहस, बलिदान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों का अद्वितीय बलिदान

भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है, जो आने वाली पीढ़ियों को देश, धर्म और मानवता के लिए समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि साहिबजादों के बलिदान ने साबित किया कि वीरता उम्र की मोहताज नहीं होती है। वीर बाल दिवस हमें यह संदेश देता है कि कम आयु में भी महान आदर्शों के लिए अदम्य साहस के साथ खड़ा हुआ जा सकता है।

सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने कहा कि वीरता, साहस एवं राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम में प्रतिभाग करना अत्यंत गौरव का पल है। आज का कार्यक्रम, अदम्य साहस को समर्पित कार्यक्रम है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को नमन करते हुए 9 जनवरी, 2022 को घोषणा की थी कि प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को, वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने वीर बाल दिवस मनाने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि साहिबज़ादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फ़तेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को स्मरण करना है। वे सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्र थे, जिन्होंने बहुत कम उम्र में धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें नाटक, गीत एवं कविताओं के माध्यम से साहिबजादों के जीवन, संघर्ष और बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी नीरज कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कमलेंद्र कुमार कुशवाहा उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक पूर्व रेलवे का आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट दौरा

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। महाप्रबंधक पूर्व रेलवे (कोलकाता) मिलिंद देऊस्कर ने आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट रायबरेली का दिनांक-26.12.2025 को दौरा किया। श्री देऊस्कर ने आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में ओपेन लाइन रेल संचालन में कोच संबंधित कई मुददों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

महाप्रबंधक पूर्व रेलवे ने शेलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप एवं फर्निशिंगशॉप, आदि का निरीक्षण किया। शेलशॉप में निरीक्षण के दौरान कोच वेल्डिंग की गुणवत्ता, साइडवाल, लेजर कटिंग मशीन, कोच रूफ वेल्डिंग, तथा मशीनों की कार्य दक्षता का अवलोकन किया।

आगे इसी क्रम में श्री देऊस्कर ने फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का दौरा किया। यहॉ फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण के विभिन्न चरणों का अवलोकन किया। श्री देऊस्कर ने आरेडिका प्रशान्ति परिसर का दौरा किया। प्रशान्ति परिसर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आरेडिका में किए जा रहे विभिन्न कार्यों जैसे- वर्षा जल संरक्षण के लिए नवनिर्मित तालाबों, वर्षा जल संचयन बिन्दुओं एवं मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण कर विकसित किये जा रहे क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीएफए बीएल मीना, पीसीईई मनोज कुमार जिंदल, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक अकमल वदूद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी द्वारा की गई जनसुनवाई

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।

ज्ञात हो कि इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

अधिवक्ता ने लगाया नाम का दुरुपयोग कर ठगी करने का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। संदीपनघाट थाने के पैगम्बरपुर मजरा महगांव निवासी अधिवक्ता ने अपने नाम का दुरुपयोग कर ठगी किए जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित अधिवक्ता ने थाने जाकर घटना की तहरीर दी है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पैगम्बरपुर मजरा महगांव निवासी लालमन पाल पेशे से अधिवक्ता हैं। वह चायल तहसील में प्रैक्टिस करते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह उनके घर पर एक युवक पहुंचा और बोला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने खुद को उनका परिचित बताकर जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर रुपया और कागजात लिया है। अब वह उनका फोन नहीं उठा रहा है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद अधिवक्ता के होश उड़ गए। उन्होंने बताया कि इससे न केवल उनकी छवि धूमिल हुई, बल्कि उन्हें मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। पीड़ित अधिवक्ता ने पुलिस को तहरीर देते हुए मांग की है कि मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल और लेन-देन की जांच कर आरोपी की पहचान की जाए और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की ठगी की घटनाओं पर रोक लग सके। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसओ शशिकांत मिश्रा का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद में छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। पिपरी थाने के मखऊपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर हुए मारपीट के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मखऊपुर गांव निवासी वीरेंद्र कुमार पुत्र गंगाराम ने बताया कि गांव का मजरा पिपरी में उनकी जमीन है। जिसे कब्जा करने को लेकर 15 नवंबर 2025 को मजरा के रणधीर कुमार पाल, शंकर लाल, उर्मिला देवी, नत्थू लाल, सुनील कुमार लक्ष्मी पाल से विवाद हुआ था। जिसमें उन्होंने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी थी। थाने में शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। निराश होकर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली।

बालिकाओं और महिलाओं को महिला अपराध रोकने के लिए पुलिस ने पम्पलेट वितरित किया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में 'महिला सशक्तिकरण , एंटी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में व प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व प्रवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रामदेव थाना गोल्हौरा के निर्देशन में उ0नि0 दीनदयाल सिंह उ0नि0 रामनाथ यादव, मु0आ0 विनोद कुमार,

आ0 रणजीत यादव म0आ0 बबिता सिंह द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर एण्टीरोमियो चेकिंग किया गया व प्राथमिक विद्यालय पिपरा में बालिकाओं को गुड टच व बैड टच के बारे जागरूक किया गया , महिलाओं से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में तथा हेल्पलाईन नं0 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

वीबीजी राम जी के प्रति ग्रामीणों को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में नवीन योजना विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबीजी राम जी के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जन जागरूकता को लेकर बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान ब्लॉक क्षेत्र की समस्त ग्रामसभाओं में ग्रामीणों को योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सिराथू ब्लॉक के मोंगरी कड़ा समेत समस्त ग्रामसभाओं में बीडीओ के निर्देश पर शुक्रवार को

वीबीजी राम जी की जागरूकता को लेकर ग्रामीणों के साथ खुली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रामसभा के जिम्मेदारों ने ग्रामीणों को योजना के बारे में विस्तार से बताया।

जाब कार्ड धारकों समेत अन्य ग्रामीणों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि सरकार ने योजना का नाम मनरेगा से बदलकर वीबीजी राम जी कर दिया है। पहले मनरेगा के तहत ग्रामीणों को सौ दिन का रोजगार दिया जाता है। योजना का नाम बदले जाने के बाद 125 दिन के रोजगार की गारंटी हो गई है। इस दौरान ग्रामसभा की अधिकतर महिलाओं ने प्रतिभाग कर योजना के बारे में जानकारी हासिल किया। रोजगार सेवक ने जॉब कार्ड धारकों को बताया कि सभी लोग अपना-अपना आधार कार्ड पंचायत भवन जाकर जाबकार्ड से लिंक करा दे। मोंगरी कड़ा ग्राम प्रधान यशवंत तिवारी, रोजगार सेवक बसंत लाल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

वीबीजी-राम जी योजना से 125 दिन का काम सुनिश्चित

कौशाम्बी। विकास खंड चायल के शेखपुर रसूलपुर गांव में शुक्रवार को वीबीजी-राम जी योजना को लेकर जागरूकता बैठक हुई। बैठक में ग्राम विकास अधिकारी ने ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दी। बताया कि वीबीजी-राम जी योजना के तहत अब ग्रामीणों को अपने ही गांव में 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे मजदूरी के लिए बाहर जाने की मजबूरी कम होगी। ग्राम विकास अधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य गांवों में रोजगार सृजन के साथ-साथ विकास कार्यों को गति देना है। इसके अंतर्गत तालाब खुदाई, नाली निर्माण, सड़क मरम्मत, जल संरक्षण, पौध रोपण सहित अन्य सार्वजनिक हित के कार्य कराए जाएंगे।

इन कार्यों से न केवल ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा, बल्कि गांव की बुनियादी सुविधाएं भी मजबूत होंगी। बैठक में मौजूद ग्रामीणों ने योजना को लेकर रुचि दिखाई और रोजगार मिलने की उम्मीद जताई। ग्राम प्रधान बासदेव ने कहा कि वीबीजी-राम जी योजना से गांव के गरीब व मजदूर परिवारों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराने की अपील की। बैठक में ग्राम प्रधान के साथ ही पंचायत सदस्य, रोजगार सेवक समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

दंपती समेत छह लोगों को पीटा

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के जाफरपुर महावां गांव में गुरुवार शाम पुरानी रंजिश के चलते दंपती समेत परिवार के छह लोगों की पिटाई की गई। इससे सभी को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया है। जाफरपुर महावां निवासी इमरान ने बताया कि पड़ोसियों से उसकी पुरानी रंजिश है। इसे लेकर गुरुवार की शाम वह गाली-गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर पिटाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची पत्नी सकीना, बेटी रुख्सार, बेटे निहाल, भतीजे जैनब, भाई कामरान व भाभी सबा को भी पीटा। चीख-पुकार पर जुटे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह सभी की जान बचाई। घटना की सूचना के बाद पहुंची यूपी-112 पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2024 Date:22.12.2025

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय स्टाल और खानपानस्टाल अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामीमॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

कैटरिंग :

SN: 1, Details of publicity : विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 साल की अवधि के लिए मल्टी पर्पस यूनिटः अलीगढ़ (01 स्थान), विंध्याचल (01 स्थान), फफूंद (02 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान), मिर्जापुर (01 स्थान)

E-Auction catalogue No.: PRYJ-MPS- 25-17

E-Auction Start Date & Time: 31.12.2025 at 11.00 hrs

SN: 2, Details of publicity : विभिन्न स्टेशनों पर 05 साल की अवधि के लिए फ्रूट और जूस बार यूनिटः फिरोजाबाद (01 लोकेशन), प्रयागराज (01 लोकेशन), कानपुर अनवरगंज (01 लोकेशन), फफूंद (01 लोकेशन)

E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG- 25-46

E-Auction Start Date & Time: 31.12.2025 at 11.00 hrs

SN: 3, Details of publicity : 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः जसरा (01 स्थान). फ़तेहपुर (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान), पनकीधाम (01 स्थान). इरादतगंज (01 स्थान)

E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG- 25-47

E-Auction Start Date & Time: 01.01.2026 at 11.00 hrs

SN: 4, Details of publicity: 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः सोनभद्र (02 स्थान), अछल्दा (01 स्थान), भरथना (01 स्थान), चुनार (01 स्थान), सिराथू (03 स्थान), खुर्जा (03 स्थान), खागा (03 स्थान), दादरी (02 स्थान), हाथरस (02स्थान), भरवारी (01 स्थान), नैनी (02 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), मैनपुरी (01 स्थान)

E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG- 25-48

E-Auction Start Date & Time: 02.01.2026 at 11.00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं।

1. बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण **www.cca.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। 2. बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। 3. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु.10,000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। 4. इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को **http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp** पर जाने की सलाह दी जाती है। 5. अर्निंग मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10%, सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। 6. रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। 7. रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर / वी पी को पटटे पर देने से सम्बंधित है) 8. सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। 2489/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत नेपाल सीमा से सब के जवानों ने 6 बोरा यूरिया दो साइकिल को किया जब्त

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के भारत नेपाल सीमा पर 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सीमा चौकी ककरहवा के नाका दल ने सीमा स्तंभ संख्या 544/1 के समीप भारत से नेपाल लेकर जा रहे 06 बोरी यूरिया खाद और 02 साइकिल को जब्त किया । सूचना प्राप्त हुआ कि सीमा स्तंभ संख्या 544/1 के समीप से उर्वरक की तस्करी होने वाली है । सूचना प्राप्त होते ही सीमा चौकी ककरहवा से नाका दल सीमा स्तंभ संख्या 544/1 के लिए रवाना हुए और कुछ समय पश्चात देखा कि कुछ व्यक्ति साइकिल पर सामान लिए भारत से नेपाल की तरफ जा रहे है । संदेह के आधार पर नाका दल जैसे ही उन व्यक्तियों को रुकने के लिए कहा गया तो वह साइकिल सहित सामान गिराकर कुहरे का फायदा उठाकर नेपाल सीमा में भाग गये । नाका दल द्वारा सामान को चेक किया गया तो 06 बोरी यूरिया खाद और 02 साइकिल बरामद हुआ । नाका दल द्वारा बरामद कुल 06 बोरी यूरिया खाद और 02 साइकिल को जब्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस चौकी ककरहवा को सुपुर्द कर दिया गया ।

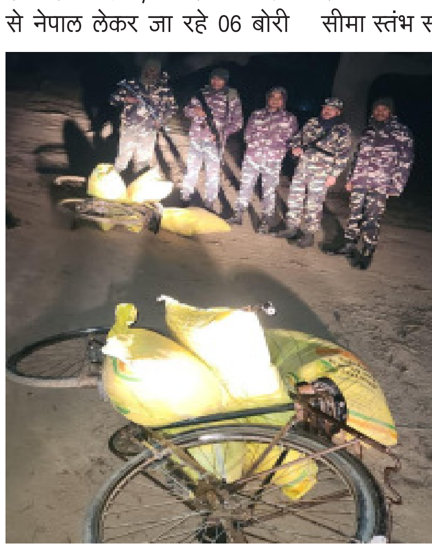

भारत-नेपाल सीमा पर होने वाली तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए प्रचालन गतिविधियों द्वारा 43वी वाहिनी एस.एस.बी निरन्तर प्रयासरत है जिसके फलस्वरूप एस.एस.बी द्वारा लगातार भारत -नेपाल सीमा पर अवैध रूप से हो रही तस्करी के सामान, मानव तस्करी, नशीली दवा, अवैध मुद्रा व वन्य जीव और उत्पाद को जब्त किया जा रहा है तथा उसमे सम्बंधित लिप्त व्यक्तियों पर आवश्यक क़ानूनी कार्यवाही की जा रही है।

गबन के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग, डीएम से की शिकायत

कौशाम्बी। मूरतगंज विकास खंड के ग्राम पंचायत काजू में सरकारी धन के गबन का मामला सामने आने के बाद शिकायतकर्ता ने गठित जांच समिति की रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाए हैं। काजू गांव निवासी मोहित दुबे ने बताया कि आईजीआरएस संख्या 40017425035983, 40017425035995 व 40017425035904 के तहत दर्ज शिकायतों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। आरोप है कि जांच समिति ने ग्राम प्रधान और सचिव से मेलजोल कर तथ्यों के विपरीत भ्रमित करने वाली रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी, जिससे वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ सकी। शिकायतकर्ता मोहित दुबे ने बताया कि संबंधित फर्म का पंजीकरण 6 फरवरी 2024 को निरस्त हो चुका था।

इसके बावजूद उसके बाद लगभग 35 लाख रुपये का लेन-देन उस फर्म से दर्शाया गया, जबकि उस अवधि में फर्म से कोई खरीद हुई ही नहीं। इसके बावजूद करीब तीन करोड़ रुपये की खरीद दर्शाकर भुगतान किया गया, जिस पर जांच समिति ने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। आरोप है कि प्रस्तुत साक्ष्यों को नजरअंदाज करते हुए रिपोर्ट में केवल औपचारिक उल्लेख कर मामले का निस्तारण कर दिया गया। इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका और गहराती जा रही है। मोहित ने मामले को गंभीर बताते हुए शुक्रवार को डीएम से मांग की है कि पूरे प्रकरण की पुनः स्वतंत्र व निष्पक्ष टीम से बिंदुवार जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वाले प्रधान, सचिव व अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

जेसीबी लगाकर ढहवा दिया 10 लाख रुपया कीमत का मकान

कौशाम्बी। क्लीनिक खोलने के लिए किराए पर लिया गया मकान किराएदार ने जेसीबी लगाकर ढहवा दिया। इसका विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए मकान मालिक को जानलेवा धमकी दी। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नगर पालिका परिषद भरवारी के पुरानी बाजार मोहल्ला निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उनका मूरतगंज बस स्टॉप के समीप भी एक मकान है। इसे वर्ष 2013 में क्रय किया था। मकान की अनुमानित लागत 10 लाख रुपये के आसपास है। पीड़ित की मानें तो मूरतगंज निवासी संतोष कुमार को उसने क्लीनिक खोलने के लिए मकान किराए पर दिया था। आरोप है कि किराएदार ने 24/25 दिसंबर की रात कब्जा करने के लिए जेसीबी लगाकर मकान ढहवा दिया। इसका विरोध करने पर अपने साथी सल्मान के साथ मिलकर गाली-गलौज करते हुए जानलेवा धमकी दी।

बीएचयू के प्रो. डॉ. अरुण द्विवेदी, सांसद सीमा द्विवेदी ने क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारम्भ

डिसीजन रिव्यू सिस्टम का हो रहा प्रयोग : डा उत्कर्ष द्विवेदी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/जौनपुर। क्षेत्रीय क्रिकेट को नई पहचान देने वाले एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारम्भ बीएचयू के प्रो. डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी और सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने किया । राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष सम्मान प्रदान किया। इस पूरे टूर्नामेंट का सफल आयोजन डॉ. उत्कर्ष द्विवेदी के नेतृत्व और संयोजन में किया जा रहा है।

उद्घाटन के अवसर पर मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और पूरे आयोजन को एक उत्सव का रूप दे दिया। शानदार व्यवस्थाओं, अनुशासित संचालन और रोमांचक मुकाबलों के कारण एपीएल टूर्नामेंट को दर्शकों और खिलाड़ियों दोनों से भरपूर सराहना मिली।

इस टूर्नामेंट की एक प्रमुख विशेषता डीआरसी (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) का प्रयोग रहा। स्थानीय स्तर के क्रिकेट टूर्नामेंट में डीआरसी जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। खिलाड़ियों को अंपायर के निर्णयों पर रिव्यू लेने का अवसर दिया गया, जिससे निर्णयों में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रही। डीआरसी के प्रयोग से मैच और अधिक रोमांचक हुए तथा दर्शकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट जैसा अनुभव मिला।

मैच के आयोजक डॉ. उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि लीग मैचों के पहले मुकाबले में चारोधाम जौनपुर बनाम बरहड़ा स्पोर्टिंग प्रतापगढ़। कड़े और रोमांचक मुकाबले में बरहड़ा स्पोर्टिंग प्रतापगढ़ ने जीत दर्ज की। उन्होने बताया कि दूसरा मुकाबला कन्हापुर बनाम डीडी बॉयज़ प्रतापगढ़ रहा। इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए कन्हापुर की टीम विजयी रही।

दोनों मुकाबले लीग चरण के अंतर्गत खेले गए हैं और आगे भी कई रोमांचक मैच दर्शकों को देखने को मिलेंगे। कुल मिलाकर एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट ने खेल भावना, आधुनिक तकनीक और सफल आयोजन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो क्षेत्रीय क्रिकेट के लिए एक नई मिसाल साबित हो रहा है।

फाफामऊ विधानसभा में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज

2.81 लाख से अधिक मतदाताओं का सत्यापन पूरा मृतक व डुप्लीकेट मतदाताओं की हुई पहचान

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ (प्रयागराज)। 254 विधानसभा क्षेत्र फाफामऊ में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अपर नगर मजिस्ट्रेट तृतीय हीरालाल सैनी के निर्देशन में अब तक कुल 3, 66, 178 मतदाताओं में से 2, 81, 335 मतदाताओं का सत्यापन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

अभियान के दौरान 84, 843 मतदाता 'एएस' श्रेणी में पाए गए हैं, जो या तो कभी संबंधित गांव/क्षेत्र में निवासरत नहीं रहे या फिर विभिन्न कारणों से सूची से नाम हटाए जा चुके हैं।अपर नगर मजिस्ट्रेट हीरालाल सैनी ने बताया कि एसआईआर का मूल उद्देश्य वर्ष 2003 की मूल मतदाता सूची को आधार बनाते हुए मतदाताओं का सत्यापन करना है। इसमें मतदाताओं का माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी से मिलान कर वास्तविकता की पुष्टि की जा रही है, ताकि अपात्र नामों को हटाकर योग्य नागरिकों को सूची में बनाए रखा जा सके।पुनरीक्षण के दौरान 1, 25, 396 मतदाता केवल मतदाता के रूप में चिन्हित किए गए हैं, जिनके अभिलेखों का पुनः परीक्षण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एसआईआर की प्रक्रिया वर्ष 2003 के बाद पुनः 2025 में शुरू की गई है, और अब तक सरकार द्वारा नौवीं बार इस प्रकार का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में बड़ी संख्या में त्रुटियां भी सामने आई हैं। फाफामऊ विधानसभा में 16, 253 मतदाता मृतक के रूप में चिन्हित किए गए हैं, जबकि 8, 500 डुप्लीकेट मतदाता भी सूची में पाए गए, जिनके नाम हटाने की प्रक्रिया की जा रही है।अपर नगर मजिस्ट्रेट हीरालाल सैनी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी पारदर्शिता के साथ चलाया जा रहा है और इसका उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले शुद्ध, मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजर और संबंधित अधिकारियों कर्मचारी को निर्देश दिए हैं कि कोई भी पात्र मतदाता का न छूटने न पाए इस मौके पर देवानंद शुक्ला सुरेश तिवारी अनिल कुमार सूरज कुमार अंजली सिंह सुचिता माही पटेल शालिनी साहित्य तमाम लोग मौजूद रहे।

उपकरण पाकर मुस्कराए दिव्यांग बच्चें : दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाना सामूहिक जिम्मेदारी - अभय श्रीवास्तव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनिल कुमार के मार्गदर्शन एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में आज जनपद प्रयागराज के गंगापार क्षेत्र के समस्त विकास खंडों के दिव्यांग बच्चों के लिए जनपद स्तरीय दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन बीआरसी सोरांव में आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अभय श्रीवास्तव उपनिदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, प्रयागराज मंडल, विशिष्ट अतिथि बीएसए अनिल कुमार एवं समाजसेवी सतीश कुमार गुप्त ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य एवं शासन की मंशा पर जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पाण्डेय ने विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर 250 दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कैलिपर्स, सीपी चेयर, रोलेटर, बैसाखी सहित विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। उपकरण वितरण में एलिम्को, कानपुर की तकनीकी टीम ने सहयोग प्रदान किया, जिससे बच्चों एवं अभिभावकों को उपकरणों के सही उपयोग की जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि उप निदेशक अभय श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाना केवल एक योजना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे शिविर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।'

विशिष्ट अतिथि ने समाजसेवी सतीश कुमार गुप्त ने कहा कि जब प्रशासन, शिक्षा विभाग और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तब दिव्यांग बच्चों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन दिखाई देता है। शासन की योजनाएँ तभी सफल होती हैं जब वे ज़मीनी स्तर तक पहुंचती हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि समेकित शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सहायक उपकरण एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जाएगा। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पाण्डेय ने कहा कि दिव्यांगता किसी भी बच्चे की क्षमता को सीमित नहीं करती। आवश्यकता है समय पर पहचान, दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्माण तथा अभिभावकों को जागरूक करने की, ताकि बच्चे शासन की सभी योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती सुमन मिश्रा खंड शिक्षा अधिकारी सोरांव की देखरेख में किया गया।

उन्होंने कहा कि खंड स्तर पर इस प्रकार के शिविर दिव्यांग बच्चों की पहचान, सहयोग एवं पुनर्वास में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

सतीश गुप्त ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क आवश्यक उपकरण मिलने से उनके सर्वांगीण विकास एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को संबल प्राप्त हुआ। संचालन श्रीमती बबीता वर्मा ने किया। इस अवसर पर सुभाष चंद्र खंड विकास अधिकारी सोरांव, सतीश कुमार गुप्ता, समाजसेवी प्रयागराज, जय प्रकाश त्रिपाठी, बीआरसी स्टाफ, विशेष शिक्षक (स्पेशल एजुकेटर्स), प्रशांत जादौन, अभिभावकगण एवं क्षेत्रीय लोगो की सहभागिता रही।उपकरण प्राप्त कर दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता एवं आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिससे कार्यक्रम की सार्थकता और सफलता सिद्ध हुई।

पूर्णाहुति हवन के साथ संपन्न हुआ श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ, भंडारे का हुआ आयोजन

भागवत धर्म स्थापना का मार्ग एवं मोक्ष का द्वार : राम मनोहर दास महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री कटरा रामलीला प्रयागराज के प्रांगण में अधिवक्ता मानवेंद्र सिंह के संयोजन में आयोजित श्री मद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के विश्राम दिवस पर कथा व्यास पंडित राम मनोहर दास जी महाराज ने भक्तों को कथा का सार बताते हुए कहा कि श्री मद भागवत कथा मनुष्य को जीवन जीने का औरधर्म के राह पर चलने का संदेश देता है और भागवत मोक्ष का द्वार है जो मनुष्य को जन्म-जन्मांतर से मुक्त करती है।

आज की कथा है कृष्ण सुदामा और भगवान श्री कृष्ण की परायण की चरित्र का वर्णन किया गया। तत्पश्चात कथा की आरती और पूर्णाहुति हवन कर भागवत कथा संपन्न किया गया तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। कथा के मुख्य यजमान विनोद कुमार सिंह और श्रीमती लक्ष्मी सिंह रहे।

इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक संदीप पटेल पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल भाजपा नेता अश्विनी पटेल, राजेश केसरवानी, आदि ने आरती की और पूर्णाहुति हवन में आहुति डाली।

मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

रानी रेवती देवी विद्यालय में हाईस्कूल, इण्टर की परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम संपन्न

पूर्व सचिव ने बेहतर तैयारी से अच्छा अंक पाने का दिया टिप्स

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज में प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय के संयोजन में विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों में गुणवत्ता विकास एवं छात्रों के उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एवं माध्यमिक शिक्षा परिषद के पूर्व सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने हाई स्कूल एवं इंटर के छात्रों को अभिप्रेरित करने के क्रम मे आज परीक्षा पे चर्चा के क्रम में विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ। प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय ने अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यालय के संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष दिब्यकांत शुक्ल ने इसके अंतर्गत तीन सत्रों में छात्रों से सीधा संवाद किया। प्रथम सत्र में हाईस्कूल, द्वितीय सत्र में इंटर तथा तृतीय सत्र में मेधावी छात्रों को संबोधित किया। छात्रों से परीक्षा मे होने वाले तनाव एवं उसे दूर करने के उपाय, समय प्रबंधन, परीक्षा की बेहतर तैयारी, लेखन कौशल में सुधार, स्वास्थ्य एवं समुचित आहार, विभिन्न विषयों के अध्ययन में आने वाली कठिनाइयों एवं उनके समाधान तथा नियमित अध्ययन के महत्व पर विस्तार से वार्ता की। इस मौके पर बच्चों ने भी अपनी कठिनाइयों के समाधान के लिए विविध जिज्ञासाएं भी प्रकट कीं जिनका सार्थक उदाहरणों से समुचित समाधान करते हुए उनका मार्गदर्शन भी किया । प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान छात्रों की परीक्षा को सकुशल कैसे संपन्न हो, यह उसका हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य परीक्षा के तनाव को कम करना, सकारात्मकता लाना और परीक्षा को एक अवसर के रूप में देखना है, ना कि जीवन-मरण का प्रश्न। यह चर्चा परीक्षा के दबाव से निपटने, जीवन कौशल विकसित करने और अपनी रुचियों के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

कालीकांत जैसे विलेन का अंत होना ही था : आर्य बब्बर

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो 'जागृति - एक नई सुबह' अब एक बेहद जज़्बाती और अहम मोड़ की ओर बढ़ रहा है। शो के सबसे असरदार और दमदार किरदारों में से एक, कालीकांत, अब अपने लंबे और चर्चित सफर के अंत तक पहुंचने वाला है। पूरी कहानी के दौरान कालीकांत एक ऐसे किरदार के रूप में उभरा, जिसकी मौजूदगी हर ट्रैक से गहराई से जुड़ी रही। अब जब कहानी में इस किरदार की विदाई होने जा रही है, तो इस किरदार को निभा रहे एक्टर आर्य बब्बर उस रोल के अंत पर अपनी भावनाएं साझा कर रहे हैं, जो उनके लिए क्रिएटिव तौर पर भी खास रहा और निजी तौर पर भी। आर्य बब्बर कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मैं कालीकांत और 'जागृति - एक नई सुबह' से जुड़ी हर चीज को मिस करने वाला हूं। कालीकांत और यह शो एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए थे, दोनों साथ-साथ चलते थे। जिस तरह से लेखन और क्रिएटिव टीम ने इस शो पर काम किया, वो वाकई काबिल-ए-तारीफ है। एक टीम के तौर पर 'जागृति - एक नई सुबह' और खासकर कालीकांत को गढ़ने में जो मेहनत लगी, वो रंग लाई।

लक्ष्मी नारायण मंदिर मे चल रही भागवद कथा : अच्छा काम करने वाले का अंत कभी बुरा नहीं होता-स्वामी घनश्यामाचार्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री मज्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज की भागवद कथा मटियारा रोड स्थित स्वामी लक्ष्मी नारायण मंदिर मे हो रही है। कथा के चतुर्थ दिवस श्री मज्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज ने कहा कि श्री ने प्रभु के वामन अवतार के वृतांत का विस्तार पूर्वक वर्णन भक्तों को करवाया एवं कृष्ण जन्मोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया। स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज ने कथा की शुरूआत करते हुए कहा कि हमारे संत, महात्मा और ऋषिगण कहते है भाग्यशाली लोग वो होते है जो अपने भगवान के उत्सवों में सम्मिलित होते है उनके अमंगलो का नाश होता है हृदय से भाव से प्रेम से श्रद्धा से जो लोग भगवान का उत्सव अपना समझते है उन लोगो के जीवन में कभी अमंगल नहीं आ सकता कई लोगो को लगता है की हमारे जीवन में ये दुःख क्यों आते है। तुम्हारा मंगल किसमें है, तुमसे अच्छा वो जनता है तुम नहीं जानते हो लाखो गुना ज्यादा अच्छा उसे मालूम है की तुम्हारा भला तुम्हारा मंगल हम और तुम सांसारिक भावनाओं के तहत जिसे मंगल समझ रहे है वो हमारा अमंगल ही है मंगल नहीं है कितना भी बड़ा परिवार आपको मिल जाये कितना बड़ी धन दौलत आपको मिल जाये ये मंगल नहीं है मंगल तो है सत्संग मिले, मंगल तो है बुद्धि कृष्ण में लगे, मंगल तो है कृष्ण के सिवा किसी की याद न आये ये सबसे बड़ा मंगल है।

स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज ने कहा कि जो मनुष्य किसी अच्छे काम में लगा हुआ होता हैं आने वाले समय में उसका अंत कभी बूरा नहीं होता हैं। श्री स्वामी घनश्यामाचार्य जी ने श्रीमद्भागवत कथा चतुर्थ दिवस के प्रसंग का वृतांत सुनाते हुए बताया कि वामन अवतार भगवान विष्णु के दशावतारो में पांचवा अवतार और मानव रूप में अवतार था जिसमें भगवान विष्णु ने एक वामन के रूप में इंद्र की रक्षा के लिए धरती पर अवतार लिया। वामन अवतार की कहानी असुर राजा महाबली से प्रारम्भ होती है। महाबली प्रहलाद का पौत्र और विरोचना का पुत्र था। महाबली एक महान शासक था जिसे उसकी प्रजा बहुत स्नेह करती थी। उसके राज्य में प्रजा बहुत खुश और समृद्ध थी। उसको उसके पितामह प्रहलाद और गुरु शुक्राचार्य ने वेदों का ज्ञान दिया था। समुद्रमंथन के दौरान जब देवता अमृत ले जा रहे थे तब इंद्रदेव ने बाली को मार दिया था जिसको शुक्राचार्य ने पुनः अपन मन्त्रो से जीवित कर दिया।

स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज ने कहा कि महाबली ने भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी जिसके फलस्वरूप भगवान ब्रह्मा ने प्रकट होकर वरदान मांगने को कहा। बाली भगवान ब्रह्मा के आगे नतमस्तक होकर बोला 'प्रभु, मै इस संसार को दिखाना चाहता हूँ कि असुर अच्छे भी होते हैं। मुझे इंद्र के बराबर शक्ति चाहिए और मुझे युद्ध में कोई पराजित ना कर सके। भगवान ब्रह्मा ने इन शक्तियों के लिए उसे उपयुक्त मानकर बिना प्रश्न किये उसे वरदान दे दिया। शुक्राचार्य एक अच्छे गुरु और रणनीतिकार थे जिनकी मदद से बाली ने तीनो लोकों पर विजय प्राप्त कर ली। बाली ने इंद्रदेव को पराजित कर इंद्रलोक पर कब्जा कर लिया। एक दिन गुरु शुक्राचार्य ने बाली से कहा अगर तुम सदैव के लिए तीनो लोकों के स्वामी रहना चाहते हो तो तुम्हारे जैसे राजा को अश्वमेध यज्ञ अवश्य करना चाहिए।

स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज ने कहा कि बाली अपने गुरु की आज्ञा मानते हुए यज्ञ की तैयारी में लग गया। बाली एक उदार राजा था जिसे सारी प्रजा पसंद करती थी। इंद्र को ऐसा महसूस होने लगा कि बाली अगर ऐसे ही प्रजापालक रहेगा तो शीघ्र सारे देवता भी बाली की तरफ हो जायेंगे। इंद्रदेव देवमाता अदिति के पास सहायता के लिए गए और उन्हें सारी बात बताई। देवमाता ने बिष्णु भगवान से वरदान माँगा कि वे उनके पुत्र के रूप में धरती पर जन्म लेकर बाली का विनाश करें। जल्द ही अदिति और ऋषि कश्यप के यहाँ एक सुंदर बौने पुत्र ने जन्म लिया। पांच वर्ष का होते ही वामन का जनेऊ समारोह आयोजित कर उसे गुरुकुल भेज दिया।

स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज ने कहा कि इस दौरान महाबली ने 100 में से 99 अश्वमेध यज्ञ पूरे कर लिए थे। अंतिम अश्वमेध यज्ञ समाप्त होने ही वाला था कि तभी दरबार में दिव्य बालक वामन पहुँच गया। महाबली ने कहा कि आज वो किसी भी व्यक्ति को कोई भी दक्षिणा दे सकता है। तभी गुरु शुक्राचार्य महाबली को महल के भीतर ले गये और उसे बताया कि ये बालक ओर कोई नहीं स्वयं भगवान विष्णु हैं वो इंद्रदेव के कहने पर यहाँ आए हैं और अगर तुमने इन्हें जो भी मांगने को कहा तो तुम सब कुछ खो दोगे। महाबली अपनी बात पर अटल रहे और कहा मुझे वैभव खोने का भय नहीं है बल्कि अपन प्रभु को खोने का है इसलिए मै उनकी इच्छा पूरी करूंगा। महाबली उस बालक के पास गया और स्नेह से कहा 'आप अपनी इच्छा बताइये'। उस बालक ने महाबली की और शांत स्वभाव से देखा और कहा 'मुझे केवल तीन पग जमीन चाहिए जिसे मैं अपने पैरों से नाप सकूं'। महाबली ने हँसते हुए कहा 'केवल तीन पग जमीन चाहिए, मैं तुमको दूँगा।

जैसे ही महाबली ने अपने मुँह से ये शब्द निकाले वामन का आकार धीरे धीरे बढ़ता गया। वो बालक इतना बढ़ा हो गया कि बाली केवल उसके पैरों को देख सकता था। वामन आकार में इतना बढ़ा था कि धरती को उसने अपने एक पग में माप लिया। दूसरे पग में उस दिव्य बालक ने पूरा आकाश नाप लिया। अब उस बालक ने महाबली को बुलाया और कहा मैंने अपने दो पगों में धरती और आकाश को नाप लिया है। अब मुझे अपना तीसरा कदम रखने के लिए कोई जगह नहीं बची, तुम बताओ मैं अपना तीसरा कदम कहाँ रखूँ। महाबली ने उस बालक से कहा 'प्रभु, मैं वचन तोड़ने वालों में से नहीं हूँ आप तीसरा कदम मेरे शीश पर रखिये।

सम्पादकीय

मानसिकता और कार्यक्षमता को प्रभावित करती वर्चुअल मीटिंग्स

डिजिटल क्रांति ने कार्यदिवस के परंपरागत समय सीमा को बदलकर ही रख दिया है। कहने को तो छह या सात घंटे का कार्यदिवस होता है पर वर्चुअल युग में कर्मचारी 24 गुणा 7 के दौर में आ गया है। इससे कार्मिकों की मानसिकता और सामाजिक-इकोनोमिक ताने-बाने को भी प्रभावित किया है। एक समय था जब शीर्ष या पहली दूसरी कतार के अधिकारियों की जिम्मेदारी अधिक होती थी और उनके लिए समय सीमा नहीं होती थी पर अब तो वर्चुअल सुविधाओं के चलते दिन हो या रात रविवार हो या शनिवार कभी भी कहीं भी एक मैसेज मात्र से आपको एक्टिव होकर कैमरे के सामने आना पड़ता है। दरअसल कोरोना काल ने यह परिवर्तन दिया है। भारत सहित दुनिया के देशों में अभी भी कार्मिकों के लिए कार्यदिवस पांच या छह दिवस के हैं तो कार्यसमय भी मानने को तो सुबह 9.30 से सायं बजे 6 या दूसरे शब्दों में औसतन लगभग सात घंटे का है पर डिजिटल क्रान्ति ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। देखा जाए तो अब असीमित कार्य दिवस का दौर आ गया है। वास्तविकता तो यह है कि डिजिटल डिवाइसों के उपयोग के बाद से कमोबेस कार्यदिवस 24 गुणा 7 हो गये हैं तो कार्य समय भी तय समय सीमा के बंधन से मुक्त हो गया है। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा कराये गये वर्क ट्रेंड इंडेक्स स्पेशल रिपोर्ट 2025 में यह खुलासा हो गया है कि अब कार्मिक चाहे वह किसी भी स्तर का हो के लिए चाहे निजी क्षेत्र में हो या सरकारी क्षेत्र में तय समय सीमा बीते जमाने की बात हो गई है। ई-मेल, चैट, वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स, सोशल मीडिया संदेश आदि को समग्र रुप से देखने से अब कार्मिक 24 घंटे का कार्मिक हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार सुबह छह बजे से ही व्यक्ति अपनी ई-मेल टटोलने लगता है तो सर्वाधिक प्रोडक्टिविटि का समय 11 बजे के लगभग में काम के स्थान पर ई-मेल का प्रेशर 54 प्रतिशत तक बढ़ जाता है सायं तीन बजे बाद ई-मेल, चैट या अन्य संदेशों की आवक कम होने लगती है। वैश्विक औसत की बात की जाये तो 100 से अधिक ई-मेल से दो चार होना पड़ता है कार्मिक को। हर दो मिनट में मेल, चैट या अन्य संदेश कार्मिक के कार्य में बाधा उत्पन्न करता है। इसका कारण यह होता है कि उसे काल, ई-मेल या संदेश चैक करने या उससे दो चार होना ही पड़ता है। हालात यह है कि रात को भी ई-मेल या संदेश का सिलसिला जारी रहने से अब कार्यालयीय वातावरण से दूर परिवार के व्यैयक्तिक क्षण तो कल्पना की बात होती जा रही है।

डिजिटल क्रांति के चलते मीटिंग्स खासतौर से वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स सुविधाजनक होने के साथ ही कार्मिकों के तनाव का कारण भी बनती जा रही है। हांलाकि वैश्विक ट्रेंड के अनुसार मंगलवार को सर्वाधिक मीटिंग्स होती है इनमें खासतौर से एडहॉक मीटिंग्स अधिक होती है तो शुक्रवार को अपेक्षाकृत मीटिंग्स का दबाव कम होता है। सबसे खास बात यह कि औसतन 10 में से एक मिटिंग तो बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक तय होती है। एक और खास यह कि वर्चुअल मीटिंग्स सुविधाजनक होने और अपना संदेश संबंधित सभी तक पहुंचाने का बेहतरीन माध्यम होने के बावजूद यह तनाव का कारण तो बनता ही है इसके साथ ही गुणवत्ता पर भी प्रश्न लगाये जाने लगे हैं। इसको इस तरह से समझा जा सकता है कि दस में से एक मीटिंग लास्ट टाइम बुक की जाती है तो मीटिंग्स में प्रस्तुत होने वाले पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन में मीटिंग के दस मिनट पहले तक आंषिक बदलाव या अपडेशन होता है। यह कोई किसी एक पक्ष यानी सरकारी या गैर सरकारी प्रतिष्ठान की बात या किसी देष विशेष की बात ना होकर वैश्विक वास्तविकता है। विशेषज्ञों की माने तो अंतिम समय तक प्रजेंटेशन में बदलाव का मतलब ही यह है कि गुणवत्ता कहीं ना कही प्रभावित हो रही है। वैश्विक आंकड़े तो यही कहते हैं कि अंतिम समय में पीपीटी में अपडेशन या संशोधन में 122 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। वर्चुअल मीटिंग का सिलसिला दरअसल कोरोना महामारी के दौर से अधिक सामने आया है और इसे समय और धन बचाने में सहायक माना जाता है पर मीटिंग्स के दौर जिस तरह से बढ़ने लगे हैं उससे कार्मिक सूचनाएं संग्रहित करने और उसमें अपने बचाव के उपाय खोजने में ही अपनी अधिकांश कार्यक्षमता व्यय कर देता है और परिणाम स्वरुप कार्य में गुणवत्ता और उत्पादकता में कमी आना स्वाभाविक माना जाने लगा है।

माइक्रोसॉफ्ट की हालिया रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि डिजिटल युग को देखते हुए अब कार्मिकों के कार्यदिवस को नए सिरे से रिडिजाइन करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। इसका प्रमुख कारण कार्मिकों शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना और सामाजिकता और वैयक्तितता पर विपरीत प्रभाव पडना प्रमुख हो जाता है। समय बेसमय मोबाइल या इसी तरह की डिवाइस पर अंगुलियां चलाने से प्रभावित हो रहे हैं। काम का दबाव, सूचनाओं के संग्रहण में ही समय जाया होने, वर्चुअल मीटिंग्स में सार्वजनिक रुप से जलालत की संभावना, आंखों में सूखापन और सामाजिक व व्यक्तिगत संबंध बाधित होना आम होता जा रहा है। इसका साइड इफेक्ट संत्रास, कुंठा, तनाव, डिप्रेशन आदि के रुप में सामने आने लगा है। इसके समाधान के लिए हांलाकि विशेषज्ञों ने फ्रंटियर फर्म की आवश्यकता प्रतिपादित की है। इसमें आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस के माध्यम से विश्लेषण की बात की जाने लगी है। पर समय की मांग और आवश्यकता यह महसूस की जाने लगी है कि वर्क कल्चर को रिडिजाइन किया जाएं। अन्यथा देर सबेर इसके नकारात्मक प्रभावों से बचना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल यह अपने आपमें गंभीर समस्या हो गई है। इसका समाधान हर स्तर पर खोजना होगा।

71 की दोस्ती और 25 का नया दम, पुतिन के भारत दौरे ने दुनिया को दिया कड़ा संदेश, नहीं टूटेगा 'अटूट' भरोसा!

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा ऐसे समय में हुई, जब वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पिछले कुछ समय से दुनिया में शक्ति-संतुलन बदल रहा है और विभिन्न देशों की विदेश नीतियों में नई प्राथमिकताएं आकार ले रही हैं। ऐसे में भारत और रूस के बीच शीर्ष-स्तरीय संवाद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि यह संकेत है कि दोनों देश वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अपनी सामरिक साझेदारी को नई ऊर्जा देना चाहते हैं। पुतिन की यह यात्रा इस बात की पुष्टि करती है कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रखते हुए बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलित और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस यात्रा का महत्त्व इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि विश्व स्तर पर यूक्रेन युद्ध, रूस और पश्चिम देशों के बीच तनाव, रूस-चीन नजदीकी और अमेरिका की नई व्यापार नीतियां मिलकर एक जटिल भू-राजनीतिक वातावरण बना रही हैं। भारत, जो आज वैश्विक दक्षिण की प्रमुख आवाज बनकर उभरा है, ऐसी स्थिति में अपनी विदेश नीति में परिपक्वता और संतुलन दोनों का परिचय दे रहा है। पुतिन की यात्रा का सार यही रहा कि भारत किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपने हितों और मूल्यों के अनुरूप निर्णय लेता है।

भारत और रूस के संबंधों की नींव शीत युद्ध काल में पड़ी थी। वर्ष 1971 की भारत-सोवियत मैत्री संधि ने दोनों देशों के बीच ऐसे विश्वास का निर्माण किया, जिसे समय और सत्ता परिवर्तन भी कमजोर नहीं कर सके। रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा और विज्ञान-तकनीक के क्षेत्रों में सहयोग लगातार मजबूत होता गया। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को आकार देने में रूसी वैज्ञानिक सहयोग निर्णायक रहा।

रक्षा क्षेत्र में भी द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार हुआ है। भारतीय सेना के लगभग 60-70 फीसद उपकरण किसी न किसी रूप में रूसी तकनीक पर आधारित हैं। एसयू-30 एमकेआइ लड़ाकू विमान, टी-90 टैंक, एस-400 मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी संयुक्त परियोजनाएं इस विश्वास का प्रमाण हैं। यही ऐतिहासिक संबंध आज भी दोनों देशों को एक-दूसरे की सुरक्षा और रणनीतिक प्राथमिकताओं के प्रति संवेदनशील बनाए रखते हैं।

यूक्रेन युद्ध ने यूरोप ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की भू-राजनीति को बदल दिया है। पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस को आर्थिक और रणनीतिक दोनों स्तरों पर नए सहयोगियों की तलाश के लिए प्रेरित किया। एशिया, विशेषकर भारत और चीन, रूस की आर्थिक स्थिरता के लिए महत्त्वपूर्ण साझेदार बनकर उभरे।

भारत ने यूक्रेन संकट पर शुरुआत से संतुलित रुख अपनाया और न तो युद्ध का समर्थन किया, न ही किसी पक्ष का कठोर विरोध, बल्कि संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का आग्रह किया। यह नीति भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति का प्रत्यक्ष उदाहरण है। पश्चिमी दबाव के बावजूद भारत-रूस संवाद की निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि भारत किसी भी वैश्विक शक्ति के प्रभाव में निर्णय नहीं लेता, बल्कि अपने दीर्घकालिक हितों को प्राथमिकता देता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने इस अवधि में रूस से व्यापक स्तर पर तेल खरीदा, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को महंगाई और आपूर्ति संकट से बचाने में मदद की है।

हाल के वर्षों में रूस-चीन संबंधों में भी काफी प्रगाढ़ता आई है। यह निकटता पश्चिमी प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक तनावों का स्वाभाविक परिणाम है, मगर इसके भारत पर कई प्रभाव हैं। चीन, भारत का प्रमुख रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी है और रूस का महत्त्वपूर्ण आर्थिक साझेदार भी बन गया है। यह स्थिति पहली दृष्टि में भारत के लिए चुनौती बन सकती है, हालांकि इसके भीतर अवसर भी निहित है।

भारत के लिए रूस सिर्फ एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोगी है। रूस के वैज्ञानिक, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में भारत के साथ दशकों से बने भरोसे को केवल चीन की निकटता कम नहीं कर सकती। इस जटिल त्रिकोणीय परिदृश्य में भारत के पास पर्याप्त रणनीतिक अवसर हैं, जिनके माध्यम से वह रूस के साथ अपने संबंधों को चीन-रूस समीकरण से अलग दिशा में आगे बढ़ा सकता है।

अमेरिका की ओर से चीन पर शुल्क बढ़ाने के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का पुनर्गठन तेज हो गया है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत सहित एशिया के अन्य देशों में वैकल्पिक विनिर्माण क्षमता तलाश रही हैं। यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है, पर साथ ही चुनौतियां भी कम नहीं हैं, क्योंकि अमेरिका और रूस दोनों के साथ भारत संतुलित संबंध बनाए रखने की नीति पर चलता है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी मजबूत हो रही है, जबकि रूस इस क्षेत्र में चीन के साथ गहरी साझेदारी चाहता है। इस विरोधाभासी परिदृश्य में भारत की कूटनीति को अत्यंत सावधानी से आगे बढ़ना होगा। भारत ने अभी तक इस संतुलन को कुशलता से निभाया है और यही उसकी विदेश नीति की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

रक्षा क्षेत्र की बात करें, तो भविष्य की दिशा संयुक्त उत्पादन और तकनीकी हस्तांतरण के मॉडल पर आधारित होगी। भारत आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की ओर बढ़ रहा है और रूस इसके लिए एक विश्वसनीय साझेदार बन सकता है। ब्रह्मोस जैसी सफल परियोजनाएं दोनों देशों की क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं।

व्यापार के क्षेत्र में 'नार्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर' भारत के लिए यूरोप और मध्य एशिया से जुड़ने का नया मार्ग खोल सकता है। इसके अलावा, यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चल रही बातचीत भविष्य में भारत के व्यापार को कई गुना बढ़ा सकती है। वैश्विक व्यवस्था तेजी से बहुध्रुवीय स्वरूप ले रही है। अमेरिका, चीन, रूस और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच शक्ति का पुनर्संतुलन बन रहा है। भारत-रूस संबंध इस व्यापक वैश्विक भूमिका के महत्त्वपूर्ण घटक हैं।

आने वाले वर्षों में भारत और रूस ऊर्जा, रक्षा, उर्वरक, आर्कटिक सहयोग, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में अपने सहयोग को नई दिशाओं में विस्तार दे सकते हैं। उत्तरी समुद्री मार्ग के माध्यम से एशिया और यूरोप के बीच तेज आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने में भारत की भूमिका भविष्य में महत्त्वपूर्ण हो सकती है।

कृषि क्षेत्र की दृष्टि से भारत के लिए रूस उर्वरक का एक स्थिर और किफायती स्रोत बना हुआ है, जिसने वैश्विक मूल्य-वृद्धि के दौर में भारतीय किसानों को बड़ी राहत दी है। रूस की ऊर्जा परियोजनाओं में भारत की भागीदारी दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में नई गहराई जोड़ सकती है।

साइबर सुरक्षा और नवोन्मेषी डिजिटल तकनीकों के क्षेत्र में रूस की विशेषज्ञता और भारत की तकनीकी क्षमता मिलकर महत्त्वपूर्ण वैश्विक खतरों से निपटने का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भी संभावनाएं व्यापक हैं, विशेष रूप से गगनयान मिशन और भविष्य की मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजनाओं में रूस की भूमिका अहम है।

इन सभी आयामों के बीच भारत-रूस संबंधों की स्थिरता इस बात को रेखांकित करती है कि यह साझेदारी केवल कूटनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय होती वैश्विक व्यवस्था में भारत की रणनीतिक आवश्यकता है। मौजूदा परिस्थितियां यही संकेत देती हैं कि दोनों देशों की साझेदारी आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत, बहुआयामी तथा भारत के दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के अनुरूप विकसित होगी।

क्या अनुभव आपको डरा रहे हैं? जीवन बाहरी घटनाओं की भीड़ नहीं, डर से आजादी की ओर एक आंतरिक यात्रा है

हमारा जीवन मात्र बाह्य घटनाओं की श्रृंखला नहीं, बल्कि यह उससे कहीं अधिक एक आंतरिक यात्रा है। हम एक ऐसी यात्रा पर होते हैं, जो हमारे जन्म के साथ शुरू होती है और अंतिम सांस तक निरंतर चलती रहती है। इस यात्रा का पहला संकेत हम अपने भीतर निहित उस स्वाभाविक आकांक्षा में देखते हैं, जो हमें वर्तमान से आगे, ज्ञात से परे और साधारण से श्रेष्ठ की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करती है।

यह आकांक्षा केवल सुविधाओं, उपलब्धियों या मान-सम्मान तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसके मूल में स्वयं को गहराई से जानने, अपने अस्तित्व के अर्थ को समझने और आत्म-संतोष की अवस्था तक पहुंचने की मौन चाह छिपी होती है।

हम दरअसल परिस्थितियों से कहीं अधिक खुद को बदलना चाहते हैं। हम जीवन से केवल उत्तर नहीं, बल्कि स्पष्टता चाहते हैं। यही कारण है कि हर युग, हर समाज और हर संस्कृति में मनुष्य ने दर्शन, कला और अध्यात्म के माध्यम से अपने भीतर झांकने का प्रयास किया है। यह आंतरिक पुकार हमें बार-बार यह स्मरण कराती है कि जीवन केवल जीने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समझने की प्रक्रिया भी है। मगर सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जैसे-जैसे जीवन के अनुभव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे यह आंतरिक ऊर्जा अक्सर विस्तार के स्थान पर संकुचन का रूप ले लेती है।

हमारा मन जो कभी निर्भीक होकर संभावनाओं की ओर दौड़ता था, वही मन धीरे-धीरे अपने ही अनुभवों के बोझ तले दबने लगता है। असफलताएं, ठोकरें और टूटे हुए सपने मन में एक अदृश्य भय का निर्माण करते हैं। यह भय बाहर से नहीं आता, बल्कि यह हमारे मन के भीतर ही भीतर आकार लेता है।

जीवन के प्रारंभिक चरण में हमारा दृष्टिकोण सहज और विश्वास से भरा होता है। तब जीवन एक खुला मैदान प्रतीत होता है, जहां गिरना भी खेल का हिस्सा है। असफलता उस समय आत्म-संदेह नहीं, बल्कि सीखने का माध्यम होती है।

बाल्यावस्था और युवावस्था में मन भविष्य की संभावनाओं से इतना आच्छादित रहता है कि जोखिम भी रोमांच लगने लगता है। तब मन यह नहीं सोचता कि परिणाम क्या होगा, बल्कि यह महसूस करता है कि प्रयास स्वयं में कितना मूल्यवान है।

पर समय के साथ जीवन दायित्वों की सीढ़ियां चढ़ाने लगता है। परिवार, सामाजिक अपेक्षाएं, आर्थिक सुरक्षा और स्वयं से जुड़ी जिम्मेदारियां मन को धीरे-धीरे बांध देती हैं। अनुभव, जो विवेक का आधार बनने चाहिए थे, कई बार भय का कारण बन जाते हैं।

मन अतीत की स्मृतियों में उलझकर वर्तमान को खोने लगता है। बार-बार की असफलताएं केवल घटनाएं नहीं रह जातीं, बल्कि वे हमारी पहचान का हिस्सा बन जाती हैं। हम यह भूल जाते हैं कि अनुभव का उद्देश्य हमें सीमित करना नहीं, बल्कि समझदार बनाना है।

इस बिंदु पर मन सृजनात्मकता से हटकर सुरक्षा की ओर झुकने लगता है। वह संभावनाओं की जगह संभावित हानि की बातें करता है। यहीं से चिंता जन्म लेती है। अतीत पछतावे का भार बन जाता है और भविष्य भय का।

इस मानसिक युद्ध में वर्तमान, जो वास्तव में जीवन का एकमात्र वास्तविक क्षण है, वह हमारे हाथों से फिसल जाता है। हम कुछ नया आरंभ करने से पहले ही मानसिक रूप से थक जाते हैं, क्योंकि हमारा मन पहले ही हार की कल्पना कर चुका होता है।

यह स्थिति एक गहरे दार्शनिक प्रश्न को जन्म देती है- क्या अनुभव का अर्थ भयभीत हो जाना है? क्या परिपक्वता का तात्पर्य यह है कि हम जीवन से दूरी बना लें? अगर अनुभव हमें संकुचित कर दे, तो वह ज्ञान नहीं, केवल आत्म-संरक्षण की प्रवृत्ति बनकर रह जाता है।

जीवन हमसे पूर्ण होने की नहीं, खुला होने की अपेक्षा करता है। यह सत्य जितना सरल है, उतना ही गहन भी। पूर्णता का आग्रह मन को कठोर बना देता है, जहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती।

वहीं खुलापन मन को लचीला बनाता है, जहां सीखने, बदलने और फिर आरंभ करने की संभावना बनी रहती है। जीवन का स्वभाव ही अनिश्चित है, जिसे नियंत्रित करने का प्रयास हमें तनाव देता है। एक मुक्त और ग्रहणशील मन ही जीवन को स्पष्टता के साथ देख सकता है। जब मन खुला होता है, तब वह स्वयं को निरंतर विकसित होने की अनुमति देता है। वह यह स्वीकार करता है कि अपूर्णता कोई दोष नहीं, बल्कि मानव होने का स्वभाव है।

यही स्वीकार हमें स्वयं के प्रति करुणामय बनाता है। और जब हम स्वयं के प्रति करुणामय होते हैं, तभी हम दूसरों के प्रति भी संवेदनशील हो पाते हैं। जीवन एक ऐसी यात्रा है जिसमें ठहराव, भटकाव और पुनः दिशा पाना, ये तीनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। इस यात्रा में लिया गया हर छोटा निर्णय, हर ईमानदार प्रयास और हर साहसिक स्वीकार जीवन की दिशा बदल सकता है। खुलापन हमें यह भी सिखाता है कि असफलता हमारे अस्तित्व का मापदंड नहीं है। वह केवल एक अनुभव है।

जब यह समझ गहराई से उतर जाती है, तब भय का स्थान जिज्ञासा ले लेती है। तब मन जीवन से पूछता है कि इस अनुभव में मेरे लिए क्या छिपा है।

हमारी वास्तविक उन्नति बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक स्वतंत्रता में निहित है। वह स्वतंत्रता जो भय से परे जाकर अनुभव करने का साहस देती है। वह स्वतंत्रता जो यह स्वीकार करती है कि रुकना भी यात्रा का हिस्सा है और फिर शुरू करना कमजोरी नहीं, बल्कि चेतना का प्रमाण है।

जब मन मुक्त होता है, तब जीवन बोझ नहीं रह जाता, बल्कि वह एक सतत् संवाद बन जाता है। और उसी संवाद में मनुष्य धीरे-धीरे स्वयं को, अपने उद्देश्य को और उस मौन और शाश्वत सत्य को समझने लगता है, जो उसे हर क्षण आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित करता रहता है।

कुशल भारतीय युवाओं के लिए अन्य देशों में भी उपलब्ध हो रहे हैं रोजगार के अवसर

हाल ही के समय में भारतीय युवाओं ने भारतीय संस्कृति के नियमों का अनुपालन करने की ओर अपने पग बढ़ा दिए हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव को आत्मसात करते हुए अन्य कई देशों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से एवं अपनी उच्च शिक्षा समाप्त करने के पश्चात आज भारतीय युवा रोजगार प्राप्त करते हुए इन देशों में आसानी से रच बस रहे हैं। आज कई विकसित देशों में तकनीकी, स्वास्थ्य एवं रीसर्च जैसे क्षेत्रों में भारतीय मूल के नागरिकों का दबदबा बन गया है। इन देशों की अर्थव्यवस्था को गति देने में भारतीय मूल के नागरिकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। कई अन्य देशों में रचे बसे भारतीयों ने अपनी हिंदू सनातन संस्कृति का पालन करते हुए अपनी छाप छोड़ी है। इसके चलते ही आज कई देश - रूस, जापान, इजराईल, वियतनाम, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रान्स एवं अन्य कई देश - भारतीय युवाओं की खुले रूप से मांग करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देशों में आज श्रमबल की भारी कमी महसूस की जा रही है क्योंकि इन देशों में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेज गति से बढ़ रही है और इन देशों में युवाओं द्वारा बच्चे पैदा नहीं करने अथवा कम बच्चे पैदा करने के चलते युवाओं की बहुत कमी हो गई है। इसीलिए भी विश्व के कई देश आज भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना चाहते हैं ताकि वे भारत से श्रमबल को अपने देशों में विशेष सुविधाएं देकर आकर्षित कर सकें।

इस समय रूस लगभग 20 लाख कामगारों की कमी से जूझ रहा है। 4 एवं 5 दिसम्बर 2025 को रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने हेतु, भारत में आए थे। रूस के राष्ट्रपति की भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय चर्चा में अन्य मुद्दों के साथ साथ भारतीय युवाओं के लिए रूस द्वारा अपने दरवाजे खोलने पर भी गम्भीर चर्चा हुई थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2017 में प्रारम्भ हुए यूरेशियाई आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को आगे बढ़ाते हुए उक्त 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत एवं रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रूस में भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली 90 प्रतिशत वस्तुओं पर वर्ष 2028 तक शून्य टैरिफ सम्बंधी शर्तों को अंतिम रूप दिया गया। इससे भारतीय फार्मा और वस्त्र उद्योग के लिए तीन करोड़ उपभोक्ताओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे प्रति वर्ष लगभग 1500 से 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूरेशियाई आर्थिक संघ में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण समझौते के अंतर्गत भारत वर्ष 2030 तक सूचना प्रौद्योगिकी, निर्माण और नर्सिंग के क्षेत्रों में रूस को लगभग 5 लाख भारतीय श्रमबल उपलब्ध कराएगा। इससे भारत को अपने रोजगार सृजन के लक्ष्य को पूरा करने और अपनी जनसांख्यिकी बढ़त का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। रूस के उद्योगपतियों एवं उद्यमियों के संघ के उपाध्यक्ष ने तो बताया है कि रूस को 50 लाख कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है और भारत रूस की इस कमी को पूरा करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के बीच 29-30 अगस्त, 2025 को जापान में हुई बैठक में भारत और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग की दिशा में एक दूरदर्शी मार्ग प्रशस्त किया है और दोनों देशों के बीच अगले दशक के लिए एक व्यापक संयुक्त विजन की नींव रखी गई है। जापान ने आगामी दस वर्षों में भारत में अपने निवेश को 2024 के स्तर, लगभग 4, 300 करोड़ अमेरिकी डॉलर, से बढ़ाकर, 6, 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर (10 लाख करोड़ जापानी येन) करने की प्रतिबद्धत्ता दिखाई है। पूंजी के प्रवाह के साथ ही, जापान एवं भारत ने एक 'पीपल टू पीपल' आदान प्रदान कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने की बात कही है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य है कि जापान की प्रौढ़ हो रही आबादी के चलते वहां के संरचनात्मक श्रमबल के क्षेत्र में कमी को कम करने और भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए आने वाले 5 वर्षों में जापान में 5 लाख भारतीय छात्रों और श्रमिकों को भेजने के लक्ष्य को लेकर दोनों देश काम करेंगे। जापान, भारतीय नर्सों के लिए भी अवसर गढ़ने का प्रयास कर रहा है क्योंकि वहां चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सकों एवं नर्सों की भारी कमी है, जबकि जापान में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।

इन्वेस्टमेंट बैंकर श्री सार्थक आहूजा की एक रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी, जापान, फिनलैंड एवं ताईवान भारतीय श्रमिकों की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं। जर्मनी में स्वास्थ्य सेवा, आईटी, इंजीनीयरिंग और निर्माण जैसे क्षेत्रों में पेशेवर श्रमिकों की भारी कमी है। जर्मनी प्रतिवर्ष लगभग 90, 000 भारतीय कुशल श्रमिकों को वीजा जारी करने की योजना बना रहा है। जर्मनी में महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 7 लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध हैं। फिनलैंड भारतीयों को आकर्षित करने के उद्देश्य से उन्हें स्थायी निवास प्रदान करने की पेशकश कर रहा है। ताईवान विनिर्माण के क्षेत्र में भारतीय श्रमिकों की तलाश में है।

भारतीय संसद में उपलब्ध कराई गई एक जानकारी के अनुसार पिछले 5 वर्षों के दौरान (जनवरी 2020 से 30 जून 2025 तक) कुल 16, 06, 964 भारतीय श्रमिकों को विभिन्न देशों में रोजगार के लिए मंजूरी प्रदान की गई है। भारत सरकार ने भारतीय श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न देशों से इस संबंध में विभिन्न प्रकार के समझौते भी सम्पन्न किये हैं। आस्ट्रिया, औस्ट्रेलिया, फ्रान्स, जर्मनी, इटली, डेनमार्क और यूनाइटेड किंगडम के साथ प्रवासन और आवाजाही भागीदारी समझौता सम्पन्न किया गया है। जापान, पुर्तगाल, ताईवान, मारीशस, मलेशिया और इजराईल के साथ श्रम आवाजाही समझौता सम्पन्न किया गया है। बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, साऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात और जॉर्डन जैसे खाड़ी सहयोग देशों (जी सी सी) के साथ श्रम और जन शक्ति सहयोग समझौता सम्पन्न किया गया है जो श्रम और जनशक्ति मुद्दों पर सहयोग के लिए व्यापक रूपरेखा प्रदान करते हैं। साऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात और कुवैत के साथ अलग अलग समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) और समझौता घरेलू श्रमिकों के लिए सुरक्षा उपायों की रूपरेखा तैयार करता हैं। इन समझौता ज्ञापनों और करारों में एक संयुक्त कार्य समूह के माध्यम से कार्यान्वयन का प्रावधान है, जहां सम्बंधित देशों के साथ संयुक्त कार्य समूहों की नियमित बैठकों के दौरान श्रमिकों के कल्याण और सुरक्षा से सम्बंधित मामलों पर विचार किया जाता है।

विकसित देशों यथा यूरोपीय महाद्वीप के कई देश - यूनान, इटली, ब्रिटेन, फ्रांन्स आदि एवं इजराईल में भारतीय श्रमिकों की मांग बढ़ रही है। भारत ने श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2023 तक 17 देशों के साथ समझौते सम्पन्न किए हैं। विदेशों में काम करने वाले भारतीयों की संख्या वर्ष 1990 में 66 लाख से बढ़कर वर्ष 2024 में 185 लाख हो गई है, जो तीन गुना वृद्धि है। इसी अवधि में वैश्विक प्रवासियों में भारतीयों की हिस्सेदारी 4.3 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत से अधिक हो गई है। खाड़ी देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीय विश्व के कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा है। यूरोप, जापान, रोमानिया, फिनलैंड, रूस, जर्मनी, साऊदी अरब और पश्चिम एशिया में भारतीय श्रमिकों की मांग को पूरा करने के लिए नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएसडीसी) भारतीय युवाओं को प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। एनएसडीसी अभी तक लगभग 60, 000 भारतीय युवाओं को जापान, जर्मनी, इजराईल, ब्रिटेन, बहरीन एवं साऊदी अरब जैसे देशों में रोजगार दिला चुका है। विश्व के कई देशों में कुशल श्रमिकों के रूप में भारतीय युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए केंद्र सरकार द्वारा कौशल विकास योजना चलाई जा रही है जिसका उद्देश्य देश में कुशल श्रमिकों की मांग को पूरा करना है तथा भारत को ग्लोबल मैनपावर सप्लायर के रूप में स्थापित करना भी लक्ष्य है। यह रणनीति भारत के युवा आबादी को देखते हुए विशेष तौर पर बहुत महत्वपूर्ण है। यूरोप, जापान और अन्य देशों में आबादी बूढ़ी हो रही है, ऐसे समय में यह भारत के पास एक बड़ा अवसर है। केंद्र सरकार की यह कोशिश है कि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके। इसके लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है एवं अन्य देशों में भी भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तलाशे जा रहे हैं।

बिना किसी भेदभाव के कार्य कर रही है केंद्र और प्रदेश की सरकार

गरीबों और असहाय की सेवा करना पुनीत कार्य- विपुल दूबे

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ऊंज क्षेत्र के कंचनपुर में भव्य और विशाल कम्बल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जहां पर 350 गरीबों, असहाय और विधवाओं को कम्बल और शाल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ज्ञानपुर विधायक विपुल दूबे रहे। कार्यक्रम में लोगों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में विधायक बिपुल दूबे ने कहा कि राजनीति में आने से पहले कंचनपुर का पुराना रिश्ता है, जब मेरे पास कुछ नहीं था तब लोगों ने कंचनपुर के लोगों ने मुझे प्यार दिया। सुख में भले न आ सकूँ लेकिन दुःख में मै हमेशा साथ हूं, किसी को कोई भी जरूरत पड़े तो मै हमेशा साथ रहूँगा। विधायक ने कहा कि जमीन का चयन होने पर बारात भवन, ट्यूब वेल, हाई मास्क लाइट देने की घोषणा की। जो सड़के बाकी है उसे भी शीघ्र बनवा दिया जायेगा। विधायक विपुल दूबे ने कहा कि कंचनपुर के लोगों का ऋणी हूं, यह कर्ज इस जन्म में क्या अगले जन्म में नहीं चुका पाउँगा। यदि पांच वर्षों में सेवा कार्यों से आपके दिल में जगह नहीं बना पाया तो चुनाव के समय क्या कर पाउँगा।

देश और प्रदेश की सरकारों ने लोगों को केवल गुमराह किया। भाजपा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार सभी समाज के महपुरुषों के ऐतिहासिक धरोहरो को सहेज कर आगे बढ़ा रही है। भाजपा के नेतृत्व में विकास की जो रूप रेखा जो तैयार की गई है उसे बिना किसी भेदभाव के साथ सरकार कार्य कर रही है और जनता को मुलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही है जिसमें पानी, सड़क, बिजली, दवाई और पढ़ाई शामिल है। इस अवसर पर रवि शंकर सरोज, सुरेश बिंद, नींबूलाल बिंद, रवि शंकर बिंद, योगेश मिश्रा, राजकुमार निषाद, आनंद बिंद, जोगेंद्र बिंद, शेषमणि बिंद, दुर्गा प्रसाद बिंद, कमलेश बिंद, श्यामधर बिंद, शेर बहादुर बिंद, श्यामधर प्रजापति, योगेश बिंद, महेश चंद्र केवट, रमेश भंवरा, प्रेमराज बिंद समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बीपीएमजी इंग्लिश मीडियम स्कूल का वार्षिक समारोह 'भारत के रंग' संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावां (भदोही)। नगर पंचायत स्थित बीपीएमजी इंग्लिश मीडियम स्कूल में शुक्रवार को वार्षिक समारोह 'भारत के रंग' हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में एल केजी से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने अपनी बहुआयामी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के माता-पिता व परिजन मौजूद रहे।

वार्षिक समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अनेक सामाजिक एवं प्रेरणादायक नाटकों का मंचन किया गया, जिनमें 'नशा रोकना' विषय पर आधारित नाटक विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस नाटक में छोटे-छोटे बच्चों ने अलग-अलग प्रिंटेड शर्ट पहनकर, जिन पर विभिन्न नशीले पदार्थों के नाम अंकित थे, नशे से होने वाले दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों ने बताया कि नशा किस प्रकार व्यक्ति, परिवार और समाज को बर्बादी की ओर ले जाता है।

कार्यक्रम में भारत माता की भव्य झांकी, राजस्थान के लोकगीतों पर आधारित नृत्य, देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों पर पूरे विद्यालय परिसर में तालियों की गूंज सुनाई देती रही।

मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी भदोही ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'शिक्षा एक ऐसी चाबी है जो जीवन के सभी तालों को खोल सकती है। बच्चे जो सपना देखते हैं और जिस पर ईमानदारी से मेहनत करते हैं, वही सपना आगे चलकर साकार होता है।' अपर पुलिस अधीक्षक भदोही शुभम अग्रवाल द्वारा बच्चों शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया

कार्यक्रम में एसडीएम भदोही अरुण गिरी, विद्यालय की प्रधानाचार्या फरहीन अंसारी, विद्यालय प्रबंधक प्रवीण चौरसिया, सुरियावां नगर अध्यक्ष विनय चौरसिया, नगर अधिशासी अधिकारी सुजीत कुमार, रोहित चौरसिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने अभिभावकों, अतिथियों एवं विद्यालय परिवार को भाव-विभोर कर दिया और कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

आबकारी विभाग की टीम ने ईंट भट्ठों पर दी दबिश और टोल प्लाजा पर की सघन जांच

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन के निर्देश एवं जिलाधिकारी भदोही के आदेश पर जनपद में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत शुक्रवार को आबकारी विभाग ने विभिन्न स्थानों पर सघन कार्रवाई की। शुक्रवार को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र रजनीश कुमार पाण्डेय एवं आबकारी निरीक्षक क्षेत्र रोहित कुमार ने स्टाफ के साथ थाना गोपीगंज क्षेत्र अंतर्गत अलमउ स्थित ईंट भट्ठों पर दबिश दी।

इसके साथ ही टीम द्वारा लालानगर टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन तलाशी ली गई, जिससे अवैध मदिरा तस्करी एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के दौरान गोपीगंज स्थित मॉडल शॉप का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया, जहां पीओएस मशीन से स्कैनिंग, उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन तथा क्यूआर कोड से मिलान किया गया। जांच के दौरान सभी अभिलेख व स्टॉक संतोषजनक पाए गए। संबंधित विक्रेता को नियमों के अनुरूप दुकान संचालन के निर्देश दिए गए। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा रहा।

खमरिया मार्ग के जर्जर होने पर सपा प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भदोही। माधोसिंह हाईवे से नगर पंचायत खमरिया को जोड़ने वाले जर्जर मार्ग के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार मिश्र 'पप्पू' के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि यह मार्ग खमरिया मिनी दुबई के नाम से प्रसिद्ध क्षेत्र को जोड़ता है, लेकिन सड़क की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है। स्थिति यह है कि इस मार्ग पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है, जिससे आमजन, व्यापारी और विद्यार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सपा नेताओं ने बताया कि सड़क के जीर्णोद्धार के लिए पूर्व में कई बार अनुरोध किया जा चुका है, पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सर्वे एवं अनुमोदन भी किया जा चुका है, इसके बावजूद अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जनहित को देखते हुए सड़क का शीघ्र जीर्णोद्धार कराया जाए। इस अवसर पर सपा नेता अजीत सिंह क्षत्रीय, विधानसभा अध्यक्ष केशनारायण यादव, मंटू सिंह, रोशन अली, राजन यादव, जितेंद्र यादव सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

घने कोहरे को लेकर जिलाधिकारी की अपील, अत्यधिक आवश्यक होने पर ही करें यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले में लगातार पड़ रहे घने कोहरे को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन के अध्यक्ष जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि घना कोहरा दृश्यता को अत्यधिक कम कर देता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, इसलिए बिना अत्यधिक आवश्यकता के यात्रा से बचें। उन्होंने कहा कि यदि यात्रा करना अनिवार्य हो, तो निकलने से पहले मौसम और कोहरे की स्थिति की जानकारी अवश्य लें। साथ ही वाहन की हेडलाइट, फॉग लैंप और ब्रेक की जांच कर लें। कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, लो-बीम लाइट का प्रयोग करें तथा आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और जल्दबाजी से बचें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी बड़ी दुर्घटना को टाल सकती है।

सिद्धार्थ के शानदार शतक से आज़ाद स्पोर्ट्स ने आसमां को 50 रनों से हराया

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावां। क्षेत्र के महर्षि आज़ाद मैदान, मेढ़ी में खेले गए अंडर-12 क्रिकेट मुकाबले में आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आसमां क्रिकेट एकेडमी को 50 रनों से पराजित कर दिया।

मैच में आसमां क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब की टीम ने निर्धारित 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए। टीम की ओर से 11 वर्षीय बल्लेबाज सिद्धार्थ सरोज ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 120 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उल्लेखनीय है कि सिद्धार्थ ने हाल ही में इलाहाबाद में भानु प्रताप क्रिकेट अकादमी के खिलाफ भी शतक लगाया था। इसके अलावा पियूष बिना ने 48 रन और राज चौरसिया ने 16 रन का योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आसमां क्रिकेट एकेडमी की टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब की ओर से गेंदबाजी में एस. पांडेय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि विशाल विंद और हर्ष ने 2-2 विकेट लिए।

इस तरह आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब ने संतुलित बल्लेबाजी और सटीक गेंदबाजी के दम पर मुकाबला 50 रनों से अपने नाम किया। दर्शकों ने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

ग्राम प्रधान ने किया 50 कंबल का वितरण

गोपीगंज। जनपद भदोही ज्ञानपुर तहसील के ग्राम पंचायत अमीलौर रामपुर घाट की ग्राम प्रधान ननकी देवी व उनके प्रतिनिधि पति गुलाब चंद तिवारी ने शुक्रवार को गरीबों, दिव्यांगों व विधवा महिलाओं को कंबल वितरित किया। कंबल पाकर लोग काफी खुश नजर आए।

ग्राम प्रधान ने बताया कि इस समय काफी ठंड पड़ रही है। गरीबों के पास पर्याप्त संसाधन न होने वह ठिठुर रहे हैं। मैं ऐसे लोगों की मदद करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहती हूं। इस दौरान ग्राम के पूर्व प्रधान आद्या तिवारी ने बताया कि यह कम्बल वितरण का कार्य दशकों से होता चला आया है हमारे परिवार के दादा पूरखाओ ने इस परम्परा को चालू किया था जिसका निर्वहन हम आज भी करते आ रहे है और आशा करते है कि हमारी आने वाली पीढ़ी भी इसका निर्वहन करेगी। इस मौके पर राजस्व के लेखपाल अमित कुमार, लेखपाल जयदीप सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंदिर परिसर में चोरी की घटना से बढ़ी सुरक्षा की चिंता

भदोही। जनपद के सुंदरबन, कटेबना स्थित श्री द्वादश ज्योतिर्लिंग संगम क्षेत्र श्री राम जानकी मंदिर (ट्रस्ट) परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गुरुवार की रात्रि अज्ञात चोरों ने मंदिर क्षेत्र में खड़े ट्रक से लगभग 40 हजार रुपये मूल्य की दो बैटरियां चोरी कर लीं। घटना की सूचना तत्काल ज्ञानपुर पुलिस को दी गई, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।मंदिर की पीठाधीश्वर माँ राजलक्ष्मी मंदा जी ने कहा कि मंदिर क्षेत्र चारों ओर से वन क्षेत्र से घिरा हुआ है, जिससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने मांग की कि मंदिर परिसर में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाए, जिससे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, अवैध वन कटान पर रोक तथा मंदिर में निवासरत पीठाधीश्वर व सेवादारों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का मारवाड़ी धर्मशाला शोहरतगढ़ में जनप्रतिनिधियों ने किया शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में जनस्वास्थ्य को समर्पित एक सराहनीय पहल के तहत राजस्थान अतिथि भवन (मारवाड़ी धर्मशाला) शोहरतगढ़ में छन्द काले बाबू नारायणी नेत्र अस्पताल बहादुरगंज नेपाल द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन नगर पंचायत अध्यक्ष शोहरतगढ़ उमा अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया।निःशुल्क नेत्र शिविर का शुभारंभ डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल एवं नेपाल के पूर्व सांसद अभिषेक प्रताप शाह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद नेपाल अभिषेक प्रताप शाह व छन्द काले बाबू नारायणी नेत्र अस्पताल से आयें चिकित्सकों, एसडीएम विवेकानंद मिश्रा तथा सीएचसी शोहरतगढ़ की टीम को नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल द्वारा पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि सांसद जगदम्बिका पाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी का अटूट संबंध है और ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम दोनों देशों के आपसी सहयोग को और मजबूत करता हैं। विशिष्ट अतिथि नेपाल के पूर्व सांसद अभिषेक प्रताप शाह ने नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज के हर वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी हैं तथा भारत द्वारा नेपाल को मिलने वाले सहयोग की भावना को भी दर्शाते हैं।नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने कहा कि नगरवासियों के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है, ताकि जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र उपचार व परामर्श सुलभ हो सके।वहीं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने बताया कि शोहरतगढ़ कस्बे एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने नेत्र परीक्षण कराकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार का लाभ उठाया।कार्यक्रम का संचालन कम्प्यूटर आपरेटर कमलेश गुप्ता ने किया।इस अवसर सांसद जगदंबिका पाल, पूर्व सांसद नेपाल अभिषेक प्रताप शाह, नपं अध्यक्ष उमा अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, एसडीएम विवेकानंद मिश्रा, अशोक बोरा, आरसी गुप्ता, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, शिवशक्ति शर्मा, कृष्ण कुमार अग्रवाल, संजय दूबे, अशोक अग्रहरि, अजय उपाध्याय, ब्रह्मदेव गुप्ता, राजेश त्रिपाठी लिपिक, अंकित गुप्ता, अक्षय कसौधन, गौरव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, सनी व डॉ सुलक्ष्मी कटुवाल वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ, डॉ शम्सेर थापा, डॉ शुशिल कार्की, डॉ जसरज विश्वकर्मा, रजनीश श्रीवास्तव व दिक्षा सुनुवार नेत्र सहायक, हरी बहादुर भण्डारी, नेत्र सहायक प्रिया चौधरी, राम नारायण कश्यप, नसरुल्लाह खान, गोविन्द कलवार सहित नंपशोहरतगढ़ के सभासदगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

कालीन उद्योग को बढ़ावा देने पर अध्यक्ष-वाइस चेयरमैन का जोर

स्वागत समारोह में निर्यातकों ने उठाईं टैरिफ व स्टाल दरों की समस्याएं

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नव निर्वाचित सीईपीसी अध्यक्ष एवं वाइस चेयरमैन के स्वागत समारोह के दौरान कालीन उद्योग से जुड़ी प्रमुख समस्याओं को लेकर निर्यातकों ने खुलकर अपनी बात रखी। इस अवसर पर सीईपीसी अध्यक्ष एवं वाइस चेयरमैन ने कहा कि कालीन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और निर्यातकों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

कार्यक्रम के दौरान निर्यातकों ने विशेष रूप से टैरिफ की समस्या को उठाते हुए कहा कि यह कालीन उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने आग्रह किया कि इस समस्या से जल्द से जल्द निपटने के लिए ठोस योजना पर काम किया जाए। इसके साथ ही निर्यातकों ने मांग की कि एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले फेयरों में स्टाल की दरें कम रखी जाएं, ताकि छोटे निर्यातकों को भी स्टाल बुक करने और आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

स्वागत समारोह में एकमा अध्यक्ष रजा खान, इम्तियाज अहमद, पियूष कुमार बरनवाल, प्रकाश जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष गुलामन अंसारी, रवि पटोदिया, उमेश शुक्ला, सूर्यमणि तिवारी, शाहिद अंसारी, शिव सागर तिवारी, राशिद अंसारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत महिलाओ को सुरक्षा को लेकर जागरूकता

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम नरकटहा मोहल्ला नेहरूनगर मे महिलाओं को एकत्रित कर चौपाल लगाकर मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया । मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन1098, चाइल्ड हेल्पलाइन102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई व उप निरीक्षक जगदीश, हेड कांस्टेबल रुद्रशविता यादव , आरक्षी देवेंद्र सिंह यादव, महिला कास्टेबल कीर्ति सिंह की टीम ने किया जागरूक तथा एंटी रोमियो चेकिंग के दौरान चौराहे पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले 02शोहदो /मंचलो का माफीनामा व 12 वाहन व 20 व्यक्ति चेक कर हिदायत मुनासिब किया गया

वीर बाल दिवस पर स्कूली बच्चे हुए सम्मानित प्रधानमंत्री का दिखाया गया लाइव प्रसारण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारतमण्डपम नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, मा0 जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव, अधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं के साथ देखा गया। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति द्वारा वीरता, कला, संस्कृति, विज्ञान, नवाचार, खेल आदि में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभिन्न राज्यों के 20 छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चों से संवाद स्थापित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश वीर बाल दिवस मना रहा है। आज हम सभी वीर साहिबजादों को याद कर रहे है जो हमारे देश का गौरव है। हमारी सरकार ने वीर साहिबजादों से प्रेरित होकर वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही एवं अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगणों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि गुरू गोविन्द सिंह जी के बच्चों को इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए दबाव डाला गया लेकिन उन साहबजादों द्वारा इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया और मुगल शासक द्वारा उनको दीवार में चुनवा दिया गया।

उनके अदम्य साहस और शौर्य को याद कर वीर बाल दिवस का आयोजन केया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम अपने पिता के पदचिन्हों पर चलेंगे। हमे एक बार नही 100 बार मौत कबूल है। वह विचलित नही हुए और कम उम्र में ही मौत को गले लगाया। प्रधानमंत्री द्वारा देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है। 2047 तक देश को विकसित बनाने में जनपद के बच्चों द्वारा भी योगदान किया जायेगा। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय धनगढ़िया के कुल 60 छात्र/छात्राओं को उपहार आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, विभिन्न स्कूल के छात्र/छात्राएं आदि उपस्थित थे।

गाजीपुर में खूनी तांडव! पुरानी रंजिश में 3 युवकों की बेरहमी से हत्या

कुल्हाड़ी-चापड़ से काटकर तालाब में फेंके शव

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के गाजीपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां पुरानी दुश्मनी के चलते तीन युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने कुल्हाड़ी और चापड़ जैसे धारदार हथियारों से वार कर तीनों को मौत के घाट उतार दिया और फिर शवों को तालाब में फेंक दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

यह सनसनीखेज वारदात गाजीपुर के गहमर गांव की है। बताया जा रहा है कि गांव के दो अलग-अलग मजरों (बस्तियों) के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश ने बुधवार को हिंसक रूप ले लिया। एक गुट ने दूसरे गुट पर अचानक हमला कर दिया और धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार किए।

हत्या करने के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के इरादे से तीनों शवों को पास के तालाब में फेंक दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। अब तक पुलिस ने दो शव तालाब से बरामद कर लिए हैं, जबकि तीसरे शव की तलाश जारी है। इसके लिए एसडीआरएफ की टीम को भी लगाया गया है।

पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने 12 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। वाराणसी रेंज के डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि गांव के दोनों मजरों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। इसी साल की शुरुआत में भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा और मारपीट हुई थी, जिस पर पुलिस कार्रवाई कर चुकी थी।

घटना के बाद गहमर गांव में भारी तनाव है। गुस्साए ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। हालात को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि पुरानी रंजिश और आपसी विवाद कैसे खौफनाक अंजाम तक पहुंच जाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जाते ही लखनऊ में 'गमला लूट'!

राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल की सजावट पर लोगों ने किए हाथ साफ-वीडियो वायरल

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के खत्म होते ही एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने राजधानी को शर्मिंदा कर दिया। राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के उद्घाटन के बाद वहां और आसपास लगाए गए सजावटी गमले लोगों द्वारा चोरी किए जाने लगे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ आए थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में बने राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस खास मौके पर लखनऊ विकास प्राधिकरण और नगर निगम ने पूरे इलाके को सुंदर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सजावट की थी।

राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल, ग्रीन कॉरिडोर और वसंत कुंज रोड पर दीवारों और डिवाइडरों पर आकर्षक गमले और हैंगिंग प्लांट लगाए गए थे। इनका मकसद शहर को हराभरा और खूबसूरत दिखाना था, ताकि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान राजधानी की अच्छी छवि सामने आए। लेकिन जैसे ही प्रधानमंत्री का कार्यक्रम खत्म हुआ और वह लखनऊ से रवाना हुए, हालात बदल गए। आरोप है कि कुछ लोग दीवारों पर लगे गमलों को निकालकर अपने साथ ले जाने लगे। कोई उन्हें हाथ में लेकर जाता दिखा तो कोई दोपहिया और चारपहिया वाहनों में भरकर ले जाता नजर आया।

प्रशासन ने जिन गमलों और पौधों पर लाखों रुपये खर्च किए थे, वह सजावट कुछ ही घंटों में उजड़ गई। लोगों की इस हरकत से ग्रीन कॉरिडोर की खूबसूरती पूरी तरह खत्म हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने यह दृश्य मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया।

जैसे ही गमला चोरी के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लोगों ने नाराजगी जाहिर की। यूजर्स ने कहा कि एक तरफ नगर निगम शहर को सुंदर बनाने में जुटा है, वहीं कुछ लोग सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अब सवाल उठ रहा है कि क्या गमले चोरी करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी या मामला यूं ही दब जाएगा। यह घटना न सिर्फ प्रशासन की मेहनत पर पानी फेरती है, बल्कि शहर की छवि को भी नुकसान पहुंचाती है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख पर बोला हमला

बिहार चुनाव हारने के बाद अखिलेश यादव का बिगड़ा मानसिक संतुलन

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को श्रावस्ती जिले के दौरे पर पहुंचे। यहां उनका स्वागत जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, भाजपा विधायक रामफेरन पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा और पार्टी पदाधिकारियों ने किया। दौरे के दौरान डिप्टी सीएम ने भाजपा की कोर कमेटी के साथ बैठक की और इसके बाद भंगहा स्थित गुरुद्वारे के पास ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया।

ग्राम चौपाल में डिप्टी सीएम ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और आम लोगों से उनका लाभ लेने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बिहार चुनाव में पीडीए की हार के बाद अखिलेश यादव बौखलाए हुए हैं और अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव सैफई लौट जाएंगे क्योंकि उनका राजनीतिक भविष्य अंधकार में है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष घबराया हुआ है, क्योंकि सरकार फर्जी वोटों की पहचान कर उन्हें खत्म करने का काम कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा मस्जिद निर्माण के विरोध में नहीं है, लेकिन विदेशी आक्रांताओं के नाम पर किसी भी इमारत का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कफ सिरप मामले को लेकर पूछे गए सवाल पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी और माफिया एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव माफियाओं और गुंडों के संरक्षक हैं। वहीं उन्नाव रेप कांड के मुद्दे पर डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार हर पीड़ित के साथ खड़ी है और न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रदेश में एक और बीएलओ ने दी जान

मृतक के पास नहीं मिला सुसाइड नोट, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के सीतापुर जिले के अतरिया थाना क्षेत्र के दरियापुर से एक दुखद खबर सामने आई है। एक स्कूल में प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) ने कथित तौर पर अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना बृहस्पतिवार देर शाम अतरिया थाना क्षेत्र में घटी। अतरिया थाना क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मृतक की पहचान उमेश (30) के रूप में हुई है, जो रामपुर कला थाना क्षेत्र का निवासी था। गुप्ता ने बताया कि उमेश अतरिया कस्बे में किराए के मकान में रहता था और स्कूल में प्रशिक्षक के रूप में काम करता था। उन्होंने बताया कि घटना के समय उमेश अपने कमरे में अकेला था। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन लोहे का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण नहीं खुला, इसलिए उसे कटर से काट दिया गया। उन्होंने कहा कि कमरे के अंदर उमेश का शव फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को नीचे उतारकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

तीन साल रिश्ते में रहीं हेमा और पूजा अब रचाई शादी, परिवार ने भी अपनाया

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के महोबा जिले से दो युवतियों की एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। दोनों युवतियां एक दूसरे से बहुत प्यार करती हैं और तीन साल तक रिश्ते में रहने के बाद उन्होंने एक दूसरे से शादी रचा ली। इनमें से एक युवती हेमा ने पुरुष बनकर अपनी प्रेमिका पूजा से दिल्ली की अदालत में कोर्ट मैरिज की। खास बात यह है कि दोनों के परिवारों ने भी इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया और दोनों को बेटा-बहू के रूप में अपनाया है।

चरखारी कस्बे के छोटा रमना मोहल्ले की रहने वाली हेमा (20) अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहती है। बचपन से ही हेमा को लड़कों जैसे कपड़े पहनने और रहन-सहन का शौक था। उसका ननिहाल मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के चंदला क्षेत्र के लबरहा गांव में है। वहीं उसकी मुलाकात पूजा (18) से हुई, जो उसी गांव की रहने वाली है। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हुई और फिर मोबाइल पर बातचीत शुरू हो गई। यह दोस्ती प्यार में बदल गई।

करीब तीन साल तक दोनों एक-दूसरे को समझती रहीं। समाज और रिश्तेदारों के विरोध के बावजूद दोनों ने 6 अक्टूबर को दिल्ली में कोर्ट मैरिज कर ली। शादी के बाद हेमा अपनी पत्नी पूजा को लेकर महोबा के चरखारी गांव पहुंची। उन्हें देखने के लिए गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई। दोनों की शादी को लेकर पहले परिवार वाले नहीं मान रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने दोनों को स्वीकार कर लिया और हेमा के परिवार ने बहू के स्वागत में पारंपरिक रस्में निभाई, जैसे मुंह दिखाई, बधाई गीत और अन्य रीति-रिवाज।

पूजा का कहना है कि उसने दिल से हेमा को अपना पति माना है और किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकी। वहीं हेमा ने बताया कि वह भविष्य में जेंडर चेंज सर्जरी कराने की कोशिश करेगी, हालांकि सर्जरी न होने पर भी दोनों साथ रहेंगी। वहीं, हेमा की मां फूलवती ने कहा कि उन्हें इस शादी से कोई आपत्ति नहीं है। बच्चों की खुशी में ही परिवार की खुशी है।

सुरक्षा का नया अध्याय : पहली बार भारत में हथियारों का डेटाबेस, एनआईए की चौकसी से थमेंगे अपराध और उग्रवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में संगठित अपराध, आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, शुक्रवार को भारत में पहली बार हथियारों का डेटाबेस, 'खोए, लूटे और बरामद हथियार', लॉन्च किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गृह मंत्रालय के अधीन भारत की केंद्रीय आतंकवाद विरोधी एजेंसी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा तैयार किए गए इस डेटाबेस का शुभारंभ किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सशस्त्र बलों (एनआईए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम 'आतंकवाद विरोधी सम्मेलन-2025' के उद्घाटन सत्र के दौरान इस डेटाबेस का औपचारिक रूप से राष्ट्र को समर्पित किया। नए विकसित डेटाबेस में सरकारी स्वामित्व वाले उन हथियारों का विस्तृत रिकॉर्ड शामिल किया गया है जो राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से लूटे गए, चोरी हुए, गुम हुए या बरामद किए गए हैं।

इसका उद्देश्य एक केंद्रीकृत भंडार बनाना है जिसे देश भर के सभी राज्य पुलिस बलों, अर्धसैनिक इकाइयों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा आसानी से उपयोग किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि 'डेटाबेस में सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू और कश्मीर, उत्तर-पूर्व और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी शामिल है।

ये प्रविष्टियाँ एनआईए द्वारा संचालित एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए डिजिटल इंटरफ़ेस पर अपलोड की जाती हैं, जिससे अधिकृत उपयोगकर्ताओं को निर्बाध पहुँच और वास्तविक समय में अपडेट सुनिश्चित होते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इस डेटाबेस से पुलिस और जांच एजेंसियों को हथियारों के स्रोत, आवागमन और बरामदगी के पैटर्न का पता लगाने में मदद मिलेगी, जिससे आपराधिक और आतंकवाद से संबंधित जांचों की दक्षता में वृद्धि होगी। इस प्रकार के हथियारों से संबंधित डेटा को केंद्रीकृत करके, अधिकारी न केवल खोए हुए हथियारों की निगरानी और बरामदगी कर सकते हैं, बल्कि आतंकवाद और विद्रोह के खिलाफ निवारक तंत्र को भी मजबूत कर सकते हैं। 'खोए, लूटे गए और बरामद आग्नेयास्त्र' डेटाबेस का शुभारंभ एनआईए और केंद्रीय गृह मंत्रालय की कानून प्रवर्तन उपकरणों के आधुनिकीकरण, राज्यों के बीच समन्वय में सुधार और खुफिया जानकारी जुटाने में प्रौद्योगिकी के उपयोग की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों का मानना है कि यह डेटाबेस, संगठित आपराधिक नेटवर्क पर नज़र रखने के चल रहे प्रयासों के साथ मिलकर, एक सुरक्षित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

संकट के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की वापसी पहलगाम-पटनीटॉप में नए साल की जबरदस्त रौनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 के अंत तक, शहरी जीवन से राहत पाने की चाह रखने वाले पर्यटक, पहलगाम घटना के बाद क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने के लिए रामबन जिले के पटनीटॉप में उमड़ पड़े हैं। इस घटना में आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। हालांकि, क्रिसमस और नए साल को लेकर पहलगाम में भी रौनक लौटती हुई दिखाई दे रही है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बीच, होटल और कैफे मालिकों ने कारोबार में सुधार की उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि पहलगाम हमले के बाद पर्यटन को काफी नुकसान हुआ था, जिससे उनका कारोबार काफी गिर गया था।

दूसरी ओर पहलगाम विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने अन्य हितधारकों के सहयोग से इस सुरम्य पर्यटन शहर में एक पर्यटन उत्सव का आयोजन किया है ताकि पर्यटन को और बढ़ावा दिया जा सके और इस स्थान को एक जीवंत, सर्व-मौसम गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ यह महोत्सव इस महीने के अंत तक चलेगा। पीडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिलाल अहमद ने कहा कि यह पहल पर्यटन गतिविधियों में विविधता लाने और साल भर पर्यटकों को आकर्षित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य पहलगाम को एक ऐसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है जहां हर मौसम में पर्यटक आ सकें। ऐसे महोत्सवों के माध्यम से हम इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति, रोमांच की संभावनाओं और आतिथ्य सत्कार को प्रदर्शित करना चाहते हैं।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से स्थानीय व्यवसायों को काफी उम्मीदें हैं। रामबन के एक होटल व्यवसायी महेश्वर ने कहा कि घाटी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या से आर्थिक विकास को गति मिलेगी। महेश्वर ने बताया कि पहलगाम की वजह से हमारा काम ठप हो गया था... पहले दो ट्रेनें चलती थीं, अब चार हैं, इसलिए हमें उम्मीद है कि हमारा काम बढ़ेगा... क्रिसमस और नया साल है... उम्मीद है इससे हमें कुछ राहत मिलेगी। रामबन के एक कैफे मालिक कुमार ने कहा कि पहलगाम हमले और हाल ही में हुए भूस्खलन की घटनाओं के कारण पिछले 8-9 महीनों से उनका कारोबार प्रभावित हुआ है। उन्होंने 25 दिसंबर और 31 दिसंबर को कारोबार बढ़ने की उम्मीद जताई।

कुमार ने बताया, 'पहलगाम और भूस्खलन की घटनाओं के कारण हमारा काम 8-9 महीनों से ठप है... इसलिए हमें उम्मीद है कि 25 दिसंबर से काम शुरू हो जाएगा, 31 दिसंबर को भी काम मिलेगा, हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि सभी को अच्छा काम मिले।' पटनीटॉप में कई पर्यटकों ने कहा कि वे अपने समय का आनंद ले रहे हैं, सुहावने वातावरण की सराहना कर रहे हैं और नए साल के जश्न का इंतजार कर रहे हैं।

तारिक रहमान की 17 साल बाद वतन वापसी पर आया भारत का बयान

कहा- शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएनपी के तारिक रहमान की वापसी पर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का समर्थन करता है और इस घटनाक्रम को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश की जनता के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं और लगातार बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और सहभागी चुनावों की मांग करते रहे हैं। आपको बता दें कि बांग्लादेश राजनीति में 17 साल बाद पुराने एक चेहरे की वापसी हुई। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान बांग्लादेश लौट आए हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटे। ढाका में तारिक के स्वागत में एक लाख से ज्यादा पार्टी कार्यकर्ता उमड़े।

बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में 60 वर्षीय तारिक रहमान पीएम पद के प्रमुख दावेदार होंगे। लाखों समर्थकों के बीच पहली रैली में तारिक ने यही कहा कि बांग्लादेश मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों- सबका देश है। हमारी पार्टी सुरक्षित बांग्लादेश बनाना चाहती है। ऐसा बांग्लादेश जहां महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुरक्षित रूप से अपने घर से निकल सकें और वापस लौट सकें। हम देश में शांति कायम करेंगे। नया बांग्लादेश बनाएंगे।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में तारिक रहमान पीएम पद के प्रमुख दावेदार हैं। उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब दो प्रमुख युवा नेताओं की हत्या के बाद से देश में अशांति और राजनीतिक अस्थिरता की नई लहर जारी है, जिसने पूरे बांग्लादेश को चपेट में ले लिया है।

सबरीमाला मंदिर में तीर्थयात्रियों की संख्या 30 लाख के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सबरीमाला मंदिर में इस वर्ष दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 30 लाख को पार कर गई है जो पिछले वर्ष की तुलना में दो लाख से अधिक की कमी को दर्शाती है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। 25 दिसंबर तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अब तक 30, 01, 532 श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। पिछले वर्ष (2024) 30 लाख का आंकड़ा 23 दिसंबर तक ही पार हो गया था जब 30, 78, 044 श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए थे। पिछले साल 25 दिसंबर तक कुल 32, 49, 756 श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके थे। वहीं 2023 में इस तारीख तक यह संख्या करीब 28.42 लाख थी।

हालांकि वर्ष की शुरुआत से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली लेकिन उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने 'वर्चुअल क्यू' (ऑनलाइन दर्शन) और मंदिर परिसर में जाकर दर्शन के लिए बुकिंग (स्पॉट बुकिंग) के लिए नियम कड़े कर दिए। एक दिन में सबसे अधिक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 19 नवंबर को दर्ज की गई थी जब मंदिर खुलने के चार दिन बाद 1, 02, 299 भक्तों ने दर्शन किये थे। सबसे कम भीड़ 12 दिसंबर को रही, जब 49, 738 श्रद्धालु पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार छुट्टी होने के बावजूद रविवार के दिन पिछले वर्षों की तुलना में कम भीड़ रही। 21 दिसंबर, जो रविवार था, उस दिन 61, 576 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। अन्य दिनों में रोजाना श्रद्धालुओं की संख्या 80, 000 से अधिक रही। मंडला पूजा के मद्देनजर शुक्रवार और शनिवार (26 और 27 दिसंबर) को वर्चुअल क्यू के जरिए दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या घटाकर क्रमशः 30, 000 और 35, 000 कर दी गई है जबकि स्पॉट बुकिंग को 2, 000 तक सीमित किया गया है।

लंबी माथापच्ची के बाद बीएमसी सीट बंटवारे पर लगी मुहर! भाजपा 140 और शिंदे सेना 87 पर राजी

मुम्बई (एजेंसी)। कई दिनों की विचार-विमर्श के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए सीट बंटवारे का समझौता कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि महायुति गठबंधन द्वारा तय किए गए फार्मूले के अनुसार, भाजपा 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीएमसी के लिए मतदान 15 जनवरी को राज्य के अन्य सभी नगर निगमों के साथ होगा। वोटों की गिनती 16 जनवरी को होगी।

यह घटनाक्रम गठबंधन के दोनों सहयोगी दलों के बीच असंतोष की खबरों के बीच हुई मैराथन बैठकों के कुछ दिनों बाद सामने आया है। हालांकि, भाजपा और शिंदे सेना ने इन खबरों को खारिज करते हुए सूत्रों के हवाले से कहा है कि उन्होंने 200 सीटों के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है और शेष 27 सीटों के लिए बातचीत जारी है। असंतोष की खबरों के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले शिवसेना का समर्थन किया था और भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर खुलेआम हमला करने से बचने का निर्देश दिया था।

शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं और उन्हें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने दिन में पहले कहा, 'भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है।' महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में महायुति दल का दबदबा रहा, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) भी शामिल है। इन चुनावों के लिए मतदान दो चरणों में, 2 दिसंबर और 20 दिसंबर को हुआ था, और परिणाम महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा घोषित किए गए। भाजपा ने नगर अध्यक्षों के 117 पद जीते, जबकि शिवसेना ने 53 पद जीते। एनसीपी ने 37, कांग्रेस ने 28, शिवसेना (यूबीटी) ने नौ और एनसीपी (एसपी) ने सात पद जीते। एसईसी के अनुसार, पांच सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों ने और 28 सीटें गैर-मान्यता प्राप्त पंजीकृत पार्टियों ने जीतीं।

बोरा ने रोहित को किया गोल्डन डक, ये तीन खिलाड़ी भी विजय हजारे में कर चुके हैं शून्य पर आउट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में क्रिकेट फैंस को बड़ा झटका लगा, जब मुंबई के लिए खेल रहे भारत के दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा गोल्डन डक (पहली गेंद पर आउट) पर पवेलियन लौट गए। पिछले मैच में धमाकेदार 155 रन बनाने के बाद उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन उत्तराखंड के युवा तेज गेंदबाज़ देवेंद्र बोरा ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। यह न सिर्फ मैच का टर्निंग पॉइंट रहा, बल्कि रोहित के विजय हजारे करियर के कुछ दुर्लभ पलों में से एक भी बन गया। लेकिन इससे पहले भी रोहित विजय हजारे ट्रॉफी में शून्य पर आउट हो चुके हैं।

शुक्रवार सुबह जब खबर फैली कि मुंबई पहले बल्लेबाज़ी करेगी, तो बड़ी संख्या में दर्शक स्टेडियम पहुंचे। कई फैंस तो सुबह-सुबह ठंड में भी रोहित शर्मा की एक झलक पाने के लिए मैदान में मौजूद थे। पिछले मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ शानदार शतक के बाद माहौल पूरी तरह हिटमैन के पक्ष में था। लेकिन मैच के पहले ही ओवर में कहानी बदल गई।

उत्तराखंड के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी और 25 साल के तेज़ गेंदबाज़ देवेंद्र बोरा को नई गेंद सौंपी। अपने करियर का तीसरा ही लिस्ट-ए मैच खेल रहे बोरा ने छोटी गेंद डाली, जिस पर रोहित ने अपना ट्रेडमार्क पुल शॉट खेलने की कोशिश की। सही टाइमिंग नहीं मिल पाई और डीप स्क्वायर लेग पर जगमोहन नागरकोटी ने आसान कैच लपक लिया। इस तरह रोहित शर्मा गोल्डन डक का शिकार बन गए।

महंगाई से मिलेगी बड़ी राहत! 2026 में 3.1 प्रतिशत तक गिर सकती है विकास दर, कम होगी आपके लोन की ईएमआई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जहां एक ओर पूरी दुनिया आर्थिक सुस्ती और संभावित मंदी के डर से जूझ रही है, वहीं भारत की अर्थव्यवस्था न केवल मजबूती से खड़ी दिखाई दे रही है, बल्कि आगे एक नई छलांग लगाने के लिए तैयार नजर आ रही है। हाल ही में जारी केयरएज की रिपोर्ट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर बेहद सकारात्मक संकेत दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर 7.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरो जोन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस समय अपने ऐतिहासिक औसत से नीचे की विकास दर पर चल रही हैं, वहीं चीन की अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी धीमी पड़ रही है। ऐसे माहौल में भारत का मजबूत प्रदर्शन वैश्विक मंच पर उसे अलग पहचान दिला रहा है।

केयरएज की रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और व्यापारिक जोखिमों के बावजूद भारत अपनी विकास गति बनाए रखने में सक्षम रहेगा। इसका सबसे बड़ा कारण घरेलू मांग और निवेश में लगातार हो रही बढ़ोतरी है।

दूसरी तिमाही के आंकड़ों में मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर का प्रदर्शन खासा मजबूत रहा है। रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी दरों में कटौती और बाजार में बढ़ती मांग ने औद्योगिक गतिविधियों को गति दी है। इससे रोजगार और उत्पादन दोनों को सहारा मिला है।

वैश्विक स्तर पर अगले पांच वर्षों में औसत विकास दर केवल 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि भारत अगले दो वित्त वर्षों में क्रमशः 7.5 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी है। आम लोगों के लिए राहत की सबसे बड़ी खबर महंगाई के मोर्चे पर है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में खुदरा महंगाई दर घटकर औसतन 2.1 प्रतिशत रह सकती है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में स्थिरता और कमोडिटी बाजार में नरमी से महंगाई पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वर्ष 2025 का अंत पिछले छह वर्षों की सबसे आक्रामक ब्याज दर कटौती के साथ किया है। बेंचमार्क ब्याज दरों में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की गई है, जिससे होम लोन, ऑटो लोन और अन्य ईएमआई पर बोझ कम होने की संभावना है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी विकास को प्राथमिकता देने वाला रुख अपनाया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ और अक्टूबर में खुदरा महंगाई के 0.25 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंचने से केंद्रीय बैंक को नीतिगत ढील देने का भरोसा मिला है।

हालांकि रिपोर्ट में कुछ चुनौतियों की ओर भी इशारा किया गया है। बीते कुछ महीनों में व्यापार घाटा बढ़ने और निवेश प्रवाह में कमी के चलते रुपये पर दबाव देखा गया है। इसके अलावा अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में देरी ने भी बाजार की धारणा को कुछ हद तक प्रभावित किया है। इसके बावजूद आरबीआई ने संतुलित रणनीति अपनाई है और विदेशी मुद्रा बाजार में अत्यधिक हस्तक्षेप करने के बजाय रुपये को धीरे-धीरे समायोजित होने दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के आधार पर रुपया अभी भी अपनी वास्तविक कीमत से लगभग 3 प्रतिशत नीचे है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इसमें किसी बड़ी गिरावट का खतरा फिलहाल नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में ब्याज दरों में संभावित कटौती और डॉलर के कमजोर होने से रुपये को आगे समर्थन मिल सकता है। इसके साथ ही ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में भारत के शामिल होने से विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

हैरी ब्रूक का बॉक्सिंग डे टेस्ट में चला बल्ला सबसे तेज 3000 टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मेलबर्न **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन पूरे कर लिए हैं। वह सबसे तेज 3, 000 टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इंग्लैंड के वाइस-कैप्टन ब्रूक ने यह मुकाम अपनी टीम के चौथे एशेज टेस्ट के दौरान हासिल किया जो मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में एक मशहूर बॉक्सिंग डे मैच था।

पहली इनिंग में जब इंग्लैंड 16/4 पर संघर्ष कर रहा था, तो उन्होंने अच्छा काउंटर-अटैक किया और 34 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। लेकिन जैसा कि पूरी सीरीज में होता रहा है, इस बार स्कॉट बोलैंड की एक अच्छी पारी छोटी हो गई। 34 टेस्ट मैचों में ब्रूक ने 57 पारियों में 86 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 54.17 की औसत से 3, 034 रन बनाए हैं, जिसमें 10 सेंचुरी और 14 फिफ्टी शामिल हैं। उनका बेस्ट स्कोर 317 है।

सिर्फ 3, 468 गेंदों में यह मुकाम हासिल करते हुए ब्रूक सबसे कम गेंदों का सामना करने वाले खिलाड़ी हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी भी हैं, उन्होंने डेनिस कॉम्पटन (57) की बराबरी की, जिन्होंने भी इतनी ही इनिंग्स में यह मुकाम हासिल किया था। सबसे तेज 3, 000 टेस्ट रन बनाने वाले इंग्लिश खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के बैटिंग आइकन डॉन ब्रैडमैन हैं जिन्होंने 1928 में यह माइलस्टोन सिर्फ 33 इनिंग्स में बनाया था।

इस साल ब्रूक ने 10 टेस्ट और 17 इनिंग में 44.29 के औसत से 753 रन बनाए हैं जिसमें 82 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट है, जिसमें दो शतक, चार फिफ्टी और 158 का बेस्ट स्कोर शामिल है। अभी एशेज सीरीज में अपने डेब्यू के दौरान ब्रूक पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 7 इनिंग में 30.57 के औसत से 214 रन बनाए जिसमें 78 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट है, जिसमें पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान उनका बेस्ट स्कोर 52, उनकी अकेली फिफ्टी शामिल है। उनके पहले ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टूर में उन्होंने कुछ उम्मीद की झलक दिखाई है।

कोहली ने अर्धशतकीय पारी के साथ बनाया रिकॉर्ड, लिस्ट ए में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के धमाकेदार बल्लेबाज विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के दूसरे दिन गुजरात के खिलाफ 77 रन की अर्धशतकीय पारी के साथ एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवाया है। कोहली अब लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के माइकल बेवन को पीछे छोड़ दिया है।

विराट पहले विजय हजारे मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ दिल्ली की पारी का नेतृत्व करते हुए 101 गेंदों में 131 रन बनाए थे जिसमें 14 चौके और तीन छक्के शामिल थे। गुजरात द्वारा पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद दिल्ली के प्रियांश आर्य के जल्दी आउट हो गए जिसके बाद कोहली ने कमान संभाली और 61 गेंदों में 77 रन बनाए की पारी खेली जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। उनके रन 126 से अधिक का स्ट्राइक रेट से आए जबकि इस पारी के बाद लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत सबसे ज्यादा 57.87 हो गया।

ऑस्ट्रेलिया में वनडे में वापसी के बाद लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बाद विराट सिडनी में नाबाद 74ङ रन बनाने के बाद से अजेय दिख रहे हैं। उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट तीन पारियों में 302 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बने जिसमें उनका औसत 151.00 और स्ट्राइक रेट 117.05 था, जिसमें दो लगातार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। दो बार शून्य पर आउट होने के बाद विराट ने अपनी अगली 6 पारियों में 146.00 के औसत से 584 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

रिंकू सिंह ने 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से लगाया शतक, टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल होते ही दिखाया दम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतक लगाकर साबित कर दिया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत की टीम में उनका चयन क्यों हुआ है। रिंकू ने शुक्रवार 26 दिसंबर को राजकोट में चंडीगढ़ के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 मैच में फॉर्म में वापसी करते हुए 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में शामिल होते ही उन्होंने अपना दम दिखाया और चयन को सही साबित किया।

उत्तर प्रदेश के कप्तान रिंकू ने अपनी टीम को आगे बढ़कर लीड किया और 60 गेंदों में 106ङ रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे उन्होंने चंडीगढ़ टीम से मैच पूरी तरह छीन लिया। यह रिंकू का दूसरा लिस्ट-ए शतक था। रिंकू की पारी में क्लीन हिटिंग और स्मार्ट शॉट सिलेक्शन देखने को मिला क्योंकि उन्होंने 11 चौके और चार छक्के लगाए। राजकोट में उनके रन 176.67 के शानदार स्ट्राइक रेट से आए।

मैच की बात करें तो अभिषेक गोस्वामी के सस्ते में आउट होने के बाद उत्तर प्रदेश शुरुआती मुश्किल में आ गया था। वहां से, आर्यन जुयाल और ध्रुव जुरेल ने मोर्चा संभाला और चंडीगढ़ के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 96 रनों की अच्छी साझेदारी करके पारी को संभाला। जुयाल ने 118 गेंदों में 7 चौकों और आठ छक्कों की मदद से शानदार 134 रन बनाए,

जबकि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल ने 57 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 67 रनों का योगदान दिया।

जुरेल के आउट होने के बाद जुयाल ने पारी को संभाले रखा और समीर रिज़वी (32) के साथ तीसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। रिजवी का विकेट यूपी के लिए एक बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ क्योंकि रिंकू पांचवें नंबर पर आए और आते ही खेल की गति बदल दी। यूपी के कप्तान के आक्रामक रवैये ने पारी को गति दी क्योंकि उन्होंने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं, पहले जुयाल के साथ और फिर प्रशांत वीर के साथ जिन्होंने 35 गेंदों में 63 रन बनाए। रिंकू ने जुयाल के साथ चौथे विकेट के लिए 134 रनों की शानदार साझेदारी की और फिर प्रशांत वीर (12ङ) के साथ 35 गेंदों में 63 रन बनाकर उत्तर प्रदेश को राजकोट में चंडीगढ़ के खिलाफ 50 ओवरों में 367/4 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

टाटा स्टील पर नीदरलैंड्स में 1.4 अरब यूरो का जुर्माना, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप

मुंबई **(एजेंसी)**। नीदरलैंड्स में एक गैर-सरकारी संगठन ने टाटा स्टील की स्थानीय इकाइयों से करीब 1.4 अरब यूरो यानी लगभग 1.6 अरब डॉलर की मुआवजे की मांग की है। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोप है कि कंपनी की फैक्टरी से निकलने वाली जहरीली गैसों ने आसपास के इलाके में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया और लोगों की सेहत को खतरे में डाला। स्टिच्टिंग फ्रिसे विंड.एनयू नाम के संगठन ने वेलसेन-नूर्ड गांव के पास चल रही टाटा स्टील की फैक्टरी के खिलाफ यह दावा किया है। उनका कहना है कि इन उत्सर्जनों की वजह से रहने वाले लोगों को बीमारियों का ज्यादा खतरा हो गया है और उनके घरों की कीमत भी गिर गई है। संगठन ने हार्लेम की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट नॉर्थ हॉलैंड में मुकदमे की कागजी कार्रवाई जमा कर दी है। टाटा स्टील ने शुक्रवार को अपने बयान में इसकी पुष्टि की है। यह मुकदमा टाटा स्टील की यूरोपीय इकाइयों पर पर्यावरण के मामले में बढ़ते दबाव का हिस्सा है। 2024 में नीदरलैंड्स के नियामकों ने कंपनी पर सख्ती की और करीब 27 मिलियन यूरो के जुर्माने की धमकी दी। साथ ही चेतावनी दी कि अगर आईजमुइडेन बंदरगाह शहर में कोक प्लांट से जहरीली गैसें कम नहीं हुईं तो उसे बंद कर दिया जाएगा। इससे पहले 2022 में डच अभियोजकों ने जांच शुरू की थी कि क्या कंपनी और उसके एक पार्टनर ने जानबूझकर मिट्टी, हवा और पानी को खतरनाक पदार्थों से दूषित किया।

जोश टोंग ने रच दिया इतिहास, एमसीजी टेस्ट में 5 विकेट लेकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया

मेलबर्न **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टोंग ने इतिहास रच दिया, क्योंकि वह 21वीं सदी में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में प्रतिष्ठित बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दौरान 5 विकेट लेने वाले अपनी टीम के पहले गेंदबाज बन गए। उन्होंने शुक्रवार को चौथे एशेज टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की पारी को सिर्फ दो सेशन में खत्म करने में अहम भूमिका निभाई।

टोंग ने वह आक्रामकता, बेरहमी और जोश दिखाया जिसका इंग्लैंड के फैंस इंतजार कर रहे थे। एशेज टेस्ट सीरीज पहले ही हारने और 2010/11 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली जीत का इंतजार बढ़ाने के बाद इंग्लैंड और खासकर टोंग प्रतिष्ठित मैच के लिए एमसीजी में बदले की भावना से आए थे। सीने पर थ्री लायंस का बैज पहनकर खेलते हुए टोंग ने उस जोशीले इंग्लिश गौरव के लिए खेला जिसे ऑस्ट्रेलिया में पिछली एशेज सीरीज जीत के बाद से कई घाव मिले हैं, क्योंकि वे वहां पिछले 18 टेस्ट में जीत नहीं पाए हैं।

डैरेन गफ और डीन हेडली ने 1998 में श्ण्ड में 5 विकेट लिए थे। पहले ही सेशन में जब गस एटकिंसन ने ट्रैविस हेड (12) को आउट करके पहला विकेट लिया, तो जोश टोंग ने जेक वेदरलैंड (10) सहित और ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ (9) और मार्नस लाबुशेन (6) के विकेट जल्दी-जल्दी उड़ा दिए। ऑस्ट्रेलिया 51/4 पर था और पहला सेशन 72/4 पर खत्म हुआ।

स्मिथ उनका सबसे कीमती विकेट था, उन्हें उतनी ही मुलाकातों में तीसरी बार आउट किया जिसमें दिग्गज बल्लेबाज ने 28 वर्षीय तेज गेंदबाज के खिलाफ 69 गेंदों में सिर्फ 35 रन बनाए जिसका औसत सिर्फ 11.66 था। टोंग ने लाबुशेन को भी परेशान किया और 62 गेंदों में सिर्फ 15 रन बनाने दिए।

दूसरे सेशन में जब कप्तान बेन स्टोक्स और एटकिंसन ने ऑस्ट्रेलिया को 91/6 पर पहुंचा दिया, तो कैमरन ग्रीन (34 गेंदों में 17 रन, दो चौकों के साथ) और माइकल नेसर (49 गेंदों में 35 रन, सात चौकों के साथ) के बीच 52 रन की साझेदारी खतरनाक लग रही थी। लेकिन ग्रीन के एक सीधे थ्रो ने ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर फिर से पानी फेर दिया। यह तो बस समय की बात थी कि टंग ने टेल को खत्म कर दिया, यह एक ऐसी कला है जिसके लिए वह बहुत मशहूर हैं, उन्होंने नेसर और स्कॉट बोलैंड का आखिरी विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया 45.2 ओवर में 152 रन पर ऑल आउट हो गया। उस्मान ख्वाजा (52 गेंदों में 29 रन, दो चौकों के साथ) ऑस्ट्रेलिया के लिए एक और खास योगदान देने वाले खिलाड़ी थे।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693 अरब डॉलर पर

मुंबई **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 19 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.368 अरब डॉलर बढ़कर 693.318 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार में 1.69 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी और यह 688.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 19 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 1.64 अरब डॉलर बढ़कर 559.43 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं और इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.62 अरब डॉलर बढ़कर 110.36 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) आठ करोड़ डॉलर बढ़कर 18.74 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी इस सप्ताह 9.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.78 अरब डॉलर हो गई।

भाभी जी घर पर है को छोड़कर चंद दिनों में ही पछताई शुभांगी अत्रे? यूं दांव पर लगा बना बनाया करियर

टीवी सीरियल भाभी जी घर पर है इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। इस सीरियल में शुभांगी अत्रे 10 सालों तक अंगूरी भाभी के रोल में दिखीं लेकिन अचानक ही उन्होंने शो छोड़ने का फैसला ले लिया। शुभांगी अत्रे को इस शो में शिल्पा शिंदे ने रिप्लेस किया है, जो तब अंगूरी भाभी के रोल में तब दिखी थीं जब ये सीरियल ऑन एयर हुआ था। इसके बाद ही शिल्पा ने ये शो छोड़ दिया था और अब सालों बाद शुभांगी ने शो को अलविदा कह दिया है। शुभांगी के जाने से उनके करियर पर कई सवाल उठ रहे हैं तो अब एक्ट्रेस ने सामने आकर शो छोड़ने की वजह बताई है।

शुभांगी अत्रे ने शो छोड़ने के बाद कई सारे इंटरव्यू दिए और इसी कड़ी में उन्होंने विक्की लालवानी से भी बातचीत की। इस मौके पर शुभांगी से भाभी जी घर पर हैं छोड़ने की वजह पूछी गई तो एक्ट्रेस ने बताया कि वह काफी समय से ही शो छोड़ने का सोच रही थीं। शुभांगी ने कहा कि मैं पिछले डेढ़ साल से शो छोड़ने के बारे में सोच रही थी। मैंने अपना मन बना लिया था। मैं भाभी जी घर पर हैं में काम करते करते ये सोचती थी कि ठीक है अब आगे क्या करना है? तब मैं कोई फैसला नहीं ले पा रही थी, लेकिन मेरी बेटी ने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

शुभांगी अत्रे ने बताया कि मेरी बेटी अर्शी मेरी बेस्ट फ्रेंड हैं। वो मेरी सबसे बड़ी आलोचक भी है और वह हमेशा की मुझसे कुछ न कुछ नया करने का कहती रहती है। उसका मानना है कि मुझे कुछ नया ट्राई करना चाहिए और मेरी बेटी के शब्दों से ही में मेटिवेट हुई है। उसकी बातें सुनने के बाद ही मुझे लगा कि मुझे कुछ चैलेंजिंग करना चाहिए। इसी वजह से मुझे महसूस होने लग गया था कि अब समया आ गया कि मुझे इस कैरेक्टर को छोड़कर अलविदा कह देना चाहिए। उस शो में रहकर मैं आगे बढ़ ही नहीं पा रही थी और ना ही कुछ ठीक से सोच पा रही थी। मुझे पैसे मिल रहे थे और लोगों का प्यार भी खूब सारा मिला, लेकिन एक आर्टिस्ट वाली भूख है वो एक कलाकार के अंदर ही थी जो मुझे बार बार कुछ नया करने को कहती।

शुभांगी अत्रे कमाल की एक्टिंग करती हैं। उन्होंने भाभी जी घर पर हैं में भोजपुरी अंदाज में अपनी एक्टिंग से फैंस को इंप्रेस किया है लेकिन एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्होंने कभी एक्टिंग नहीं सीखी। शुभांगी ने भी बताया कि उन्होंने प्रोफेशनली कभी एक्टिंग नहीं सीखी। उनके सामने जो भी चीजें आईं, वो बस करती चली गईं। बता दें कि शुभांगी अत्रे पर शिल्पा शिंदे के ढेर सारे बयान सामने आए हुए हैं, जिसमें शिल्पा ने शुभांगी की कॉमिक टाइमिंग पर सवाल उठाया है। शिल्पा ने कड़े शब्दों में कहा था कि शुभांगी ने उन्हें कॉपी किया था उन्हें खुद का करना चाहिए था। हालांकि, शुभांगी ने इन आरोपों का भी जवाब दिया था और कहा था कि वह किसी की कॉपी नहीं कर रही थीं सिर्फ अपने कैरेक्टर को प्ले कर रही थी।

'धुरंधर' के सामने टिकी रही आर्यन और अनन्या की फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों एक तरफ 'धुरंधर' का तूफान मचा हुआ है, तो दूसरी तरफ कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की जोड़ी अपनी नई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' (टीएमएमटीएमटीटीएम) के साथ मैदान में उतर चुकी है। क्रिसमस के खास मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म के पहले दिन के अच्छी कमाई की हैं। सिनेमाघरों में रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना स्टारर 'धुरंधर' पहले से ही तबाही मचा रही है। फिल्म अपने 21वें दिन भी जबरदस्त कमाई कर रही है। ऐसे में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के लिए चुनौती बड़ी थी। 'धुरंधर' ने जहां पहले दिन यानी क्रिसमस के दिन करीब 26 करोड़ का कलेक्शन किया, वहीं 'टीएमएमटीएमटीटीएम' ने एक शानदार शुरुआत करने की कोशिश की है।

ट्रेड रिपोर्ट्स और सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' ने अपने पहले दिन यानी ओपनिंग डे पर भारत में करीब 7I50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। हालांकि, फिल्म से डबल डिजिट की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन 'धुरंधर' की लहर और 'अवतार 3' के क्रेज ने इसकी रफ्तार पर थोड़ा ब्रेक लगा दिया है। फिल्म को क्रिसमस की नेशनल हॉलिडे का जबरदस्त फायदा मिला। शाम और रात के शोज में ऑक्यूपेंसी 40इ से ऊपर देखी गई। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों के मल्टीप्लेक्स में फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। हालांकि, सिंगल स्क्रीन्स पर अभी भी 'धुरंधर' का ही कब्जा है। इस कॉमेडी कहानी में दो लोग प्यार में पड़ जाते हैं, लेकिन फैमिली के कारण उन्हें अलग रहना पड़ता है। ऐसी उम्मीद थी कि 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' फिल्म छुट्टियों के समय में परिवारों और बच्चों के लिए ऐटरंटेन करेगी।

कार्तिक और अनन्या की केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया है, जो साल 2019 की फिल्म 'पति पत्नी और वो' के बाद दोबारा स्क्रीन पर साथ आए हैं। फिल्म को लेकर रिव्यूज मिले-जुले आ रहे हैं। कुछ लोगों को समीर विद्वांस का निर्देशन तड़का पसंद आ रहा है, तो कुछ का मानना है कि कहानी में नयापन थोड़ा कम है। फिल्म में जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता जैसे कलाकारों ने भी अपनी एक्टिंग से जान फूंकी है। टीएमएमटीएमटीटीएम के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। क्योंकि फिल्म को 'धुरंधर' के साथ-साथ हॉलीवुड की 'अवतारः फायर एंड ऐश' से भी मुकाबला करना पड़ रहा है।